बिहार में मुख्यमंत्री की रेस में चिराग... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में.. 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 08 | गाजियाबाद / रविवार 12 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

होर्मुज खुलने में बारूदी सुरंगें बनी बाधा

• अमेरिकी अधिकारियों ने जताई आशंका • बोले-सुरक्षित मार्ग हुआ सीमित

वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)।

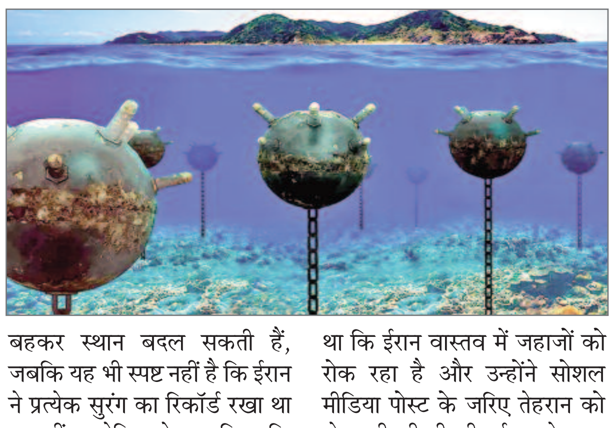

ईरान युद्ध के दौरान उसके द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को पूरी तरह खोजकर हटाने में असमर्थ है, जिसके कारण हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को जहाजों के लिए दोबारा खोलना कठिन हो गया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह बात कही गई। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा बताए गए 'सुरक्षित मार्ग' वास्तव में बहुत ही सीमित हैं, क्योंकि ईरान ने जलडमरूमध्य में लापरवाही से बारूदी सुरंगें अव्यवस्थित तरीके से बिछाई गई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान दोनों के पास समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने की पर्याप्त क्षमता नहीं है। कुछ सुरंगें बहकर स्थान बदल सकती हैं, जबकि यह भी स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने प्रत्येक सुरंग का रिकॉर्ड रखा था या नहीं। अमेरिका ने दावा किया कि बुधवार को जलडमरूमध्य को खोल दिया गया था और उन खबरों का भी खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि ईरान जहाजों की आवाजाही रोककर शुल्क वसूल रहा है। हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान वास्तव में जहाजों को रोक रहा है और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए तेहरान को चेतावनी भी दी थी। ईरान ने कहा है कि वह तब तक समुद्री यातायात को अवरुद्ध रखेगा, जब तक इजराइल लेबनान में हिज़्बुल्लाह पर हमले बंद नहीं करता। ईरान और पाकिस्तानी मध्यस्थों का कहना है कि यह मुद्दा युद्धविराम का हिस्सा होना चाहिए था।

लेबनान में इजराइली हमलों में 357 मरे

बेरूत (एजेंसी)। लेबनान में पिछले तीन दिनों के दौरान इज़रायली हमलों में 357 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1,223 अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान के खिलाफ दो सप्ताह का विराम घोषित किया था। ईरान द्वारा प्रस्तुत 10 सूत्री प्रस्ताव, जिसे ट्रंप ने वार्ता के लिए 'कारगर आधार' बताया है, में सभी मोर्चों पर आक्रामक कार्रवाई रोकने की शर्त शामिल है, जिसमें लेबनान भी शामिल है।

इजराइल-लेबनान के बीच पहली सीधी वार्ता 14 को

यरूशलेम (एजेंसी)। इजराइल और लेबनान के बीच पहली सीधी वार्ता 14 अप्रैल को वॉशिंगटन में होगी। यह जानकारी इजराइली मीडिया ने शनिवार को दी। टाइम्स ऑफ इजराइल ने कहा कि इजराइल और लेबनान के बीच अपेक्षित पहली प्रत्यक्ष वार्ता मंगलवार को वॉशिंगटन में होगी। वॉशिंगटन में लेबनानी राजदूत नाडा हमादेह, वॉशिंगटन में इजराइली राजदूत येचिएल लीटर और बेरूत में अमेरिकी राजदूत मिशेल इस्सा के बीच शुक्रवार को फोन पर बातचीत हुई, जो इजराइली और लेबनानी राजदूतों के बीच पहली बातचीत थी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि इजराइल लेबनान के साथ जल्द से जल्द सीधी बातचीत करेगा।

झारखंड में सूचना आयुक्त नियुक्ति पर राज्यपाल सख्त

आपत्तियां जताते हुए फाइल लौटाई

रांची (एजेंसी)।

झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कानूनी आपत्तियां जताते हुए संबंधित फाइल राज्य सरकार को वापस कर दी।

राज्यपाल गंगवार ने विशेष रूप से उन नामों पर कड़ा ऐतराज जताया है, जो सक्रिय राजनीतिक दलों से जुड़े हुए हैं। राजभवन ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि इन नामों पर स्थिति स्पष्ट की जाए। बताया जा रहा है कि राजनीतिक दलों के पदाधिकारी सूचना आयुक्त बनने की निर्धारित अर्हता पूरी नहीं करते, इसी आधार पर फाइल लौटाई गई है। इससे पहले 25 मार्च को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक के नाम राज्यपाल को भेजे थे। इनमें अनुज सिन्हा पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े हैं, जबकि अन्य तीन नाम विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी हैं।

इन नामों को लेकर विवाद तब और बढ़ गया, जब लोक भवन ने विधिक राय मांगी। विधिक सलाह में स्पष्ट कहा गया कि संबंधित नाम सूचना आयुक्त पद की पात्रता को पूरा नहीं करते। इसके आधार पर राज्यपाल ने पैनल को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। इधर, इस पूरे मामले पर झारखंड हाई कोर्ट भी नजर बनाए हुए है।

महाराष्ट्र पुलिस के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पुलिस महानिदेशक ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में पूरे राज्य के सभी पुलिस आयुक्तालयों और जिला पुलिस इकाइयों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। डीजीपी ने कहा कि कानून लागू करने वाली पुलिस यदि खुद नियमों का पालन नहीं करेगी, तो आम नागरिकों में जागरूकता लाना संभव नहीं होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस आदेश का पालन न करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुड्डुचेरी में मतदान केन्द्र पर मोबाइल का इस्तेमाल, बूथ एजेंट पर केस

पुड्डुचेरी (एजेंसी)। पुड्डुचेरी में ओडियंसलाई की पुलिस ने 9 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान केन्द्र के अंदर मोबाइल फोन इस्तेमाल करने के आरोप में एक बूथ एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया। चुनाव विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि मतदान केन्द्र के अंदर किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन के उपयोग की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद लॉस्पेट निवासी 25 वर्षीय राजेश, जो ओरलीयनपेट के बूथ नंबर 04 पर बूथ एजेंट था, को मतदान केन्द्र के अंदर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाया गया। इस पर पीठासीन अधिकारी भाग्यलक्ष्मी ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया, जिसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसी बीच पुलिस ने इंडिया समूह के चार सदस्यों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, जो मतदान के दिन मन्नादिपेट निर्वाचन क्षेत्र के तिरुक्कानूर मतदान केंद्र के पास प्रचार कर रहे थे।

केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु को आईएसओ मान्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयुष मंत्रालय के तहत गुणवत्ता-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), बेंगलुरु की क्लिनिकल लैब को बायोकेमिस्ट्री और हीमेटोलॉजी में आईएसओ 15189:2022 मान्यता मिल गई है। इसके साथ ही सीएआरआई आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान केंद्रीय परिषद (सीसीआरएएस) के तहत ऐसा करने वाला पहला संस्थान बन गया है। यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता इस बात की गारंटी देती है कि लैब में मरीजों को सटीक, भरोसेमंद और सुरक्षित जांच रिपोर्ट मिलेंगी।

शंकराचार्य सरस्वती को मिली मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

वाराणसी (एजेंसी)।

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को जान से मारने की धमकी मिलने के मामले में भेलूपुर थाने में शनिवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

धमकी देने वाले ने ऑडियो मैसेज के माध्यम से कहा था कि शंकराचार्य को अतीक अहमद की तरह मार दिया जाएगा और उनका समय नजदीक आ गया है। पुलिस के अनुसार, शंकराचार्य को धमकी दिए जाने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। जांच के दौरान धमकी भेजने वाले मोबाइल नंबर की भी पहचान की जा रही है। शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि हाल ही में ज्योतिष पीठ के आधिकारिक मोबाइल नंबर पर एक अप्रैल से लगातार टेक्स्ट मैसेज आने शुरू हुए थे। नंबर को ब्लॉक करने के बाद छह अप्रैल को वॉइस मेल में दो धमकी भरे ऑडियो संदेश भेजे गए। धमकी देने वाले ने ऑडियो में कहा कि इस दुनिया से उनका समय आ गया है, अब ज्यादा दिन नहीं रह सकते। बार-बार शंकराचार्य जी से बात करने का दबाव बनाया गया। संदेश में यह भी कहा गया कि जहां भी वे यात्रा कर रहे हैं, बीच रास्ते में ही उन्हें खत्म कर दिया जाएगा। धमकी देने वाले ने दावा किया कि ''मेरे जैसे लाखों लोग हैं, जो उन्हें मारने के लिए तैयार हैं।''

ईआइएल समूह से जुड़े मामले में चला तलाशी अभियान

ईडी ने जब्त किए 6.3 करोड़ रुपए कैश और 7.5 करोड़ के आभूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (ईआइएल) और उसकी समूह संस्थाओं से जुड़े एक मामले में तलाशी अभियान चलाकर 6.3 करोड़ रुपये की नकदी, 7.5 करोड़ रुपये के आभूषण, चांदी की सिल्लियां और लग्जरी घड़ियां जब्त की हैं। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यह छापेमारी गुरुग्राम और दिल्ली में अर्थ ग्रुप के निदेशकों, प्रमोटरों और संबंधित संस्थाओं से जुड़े 10 ठिकानों पर की गई। धन शोधन की यह जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) के अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, इसके निदेशकों और संबंधित संस्थाओं के खिलाफ धोखाधड़ी,

आपराधिक विश्वासघात और साजिश के लिए आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज पांच एफआईआर के तहत की गयी है। इसके अतिरिक्त, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने भी अर्थ ग्रुप के प्रमोटरों/निदेशकों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की है।

ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि अर्थ ग्रुप ने अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और अपनी सहयोगी कंपनियों के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर, गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा और लखनऊ में 'अर्थ' ब्रांड के तहत कई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स शुरू किए थे। इनमें मुख्य प्रोजेक्ट्स अर्थ टाउन, अर्थ सैफायर कोर्ट, अर्थ कोपिया, अर्थ टेकवन, अर्थ आइकोनिक, अर्थ टाइटेनियम, अर्थ इलाकासा, अर्थ ग्रेसिया और अर्थ स्काईगेट शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी संस्थाओं ने समय पर आवासीय और व्यावसायिक इकाइयां देने और सुनिश्चित रिटर्न का वादा कर 19,425 से अधिक घर खरीदारों और निवेशकों से लगभग 2,024.45 करोड़ रुपये एकत्र किए। इस धोखाधड़ी में शामिल मुख्य व्यक्तियों में अवधेश कुमार गोयल, रजनीश मित्तल, अतुल गुप्ता और विकास गुप्ता शामिल हैं।

'गन कल्चर' और आपत्तिजनक कंटेंट पर होगी कड़ी कार्रवाई

• हरियाणा के डीजीपी की चेतावनी

चंडीगढ़ (सच कहूँ न्यूज)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय सिंघल ने सोशल मीडिया पर 'गन कल्चर' को बढ़ावा देने और आपत्तिजनक या गुमराह करने वाले कंटेंट के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने शनिवार को कहा कि ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी अजय सिंघल ने जानकारी दी कि 1 जनवरी से 10 अप्रैल के बीच कुल 6,083 आपत्तिजनक, गुमराह करने वाले और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले यूआरएल, कंटेंट, ऐप्स और वेबसाइट्स को हटा दिया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विस्तृत आंकड़ों से पता चलता है कि इनमें से 4,278 यूआरएल मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पोस्ट शामिल हैं) से जुड़े थे। 1,172 यूट्यूब लिंक थे और 372 सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए पोस्ट थे। इसके अलावा, 167 पोस्ट अन्य प्लेटफॉर्म से, जबकि 53 टेलीग्राम, 36 रेडिट और 5 स्नैपचैट से किए गए थे।

डीजीपी ने चेतावनी देते हुए कहा कि हथियारों, हिंसा को बढ़ावा देने वाले, महिलाओं से जुड़ा अश्लील कंटेंट दिखाने वाले, बच्चों और लड़कियों को अभद्र और आपत्तिजनक तरीके से पेश करने वाले और हरियाणा व उसके लोगों की नकारात्मक छवि दिखाने वाले फर्जी कंटेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आधार में लद्दाख को मिली अलग पहचान

लेह (एजेंसी)। केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख को आखिरकार आधार रिकॉर्ड में अलग पहचान मिल गई है। अब आधार कार्ड के 'स्टेट' फील्ड में 'जम्मू-कश्मीर' की जगह सीधे 'लद्दाख' दर्ज किया जा रहा है। गौरतलब है कि 2019 में जम्मू और कश्मीर से अलग होकर लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक आधार रिकॉर्ड में पुराना नाम ही बना रहा, जिससे लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने प्रशासन को जल्द समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद यूटी प्रशासन ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ उच्च स्तर पर मामला उठाया।

312 और भारतीय ईरान से सुरक्षित निकले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि 312 और भारतीयों को ईरान से आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित भारत लाया गया। उन्होंने इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार को धन्यवाद दिया। इससे पहले 5 अप्रैल को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित चेन्नई पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरान से 1,200 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें से 996 आर्मेनिया चले गए।

स्थानीय किसानों से खरीदे जाएंगे जवानों के लिए फल, सब्जी और अनाज: राजनाथ

रायसेन (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि सैनिक छावनियों के लिए फल, सब्जी और अनाज स्थानीय किसानों से खरीदने का निर्णय लिया गया है, जिससे जवानों को ताजे फल सब्जी और अनाज मिलेगा तथा स्थानीय किसानों को लाभ होगा। सिंह यहां शनिवार से प्रारंभ हुए राष्ट्रीय स्तर के 'उन्नत कृषि महोत्सव' 2026 मेले के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। सिंह ने यह भी कहा कि जवानों के भोजन में श्रीअन्न (मोटे अनाज) को शामिल करने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान देश के निर्माण और सेवा क्षेत्र का आधार है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार कृषि की उन्नति के लिए जो बेहतर होगा, सरकार उसे करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हरियाणा का मोस्ट वांटेड साहिल चौहान बैंकॉक से भारत लाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हरियाणा के एक मोस्ट वांटेड अपराधी को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से भारत वापस लाया गया। दरअसल साहिल चौहान विदेश भाग गया था। इस कार्रवाई को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और इंटरपोल की मदद से अंजाम दिया गया। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से हमने 10 अप्रैल को वांछित फरार अपराधी साहिल चौहान को थाईलैंड से सफलतापूर्वक भारत वापस लाने का इंतजाम किया। हरियाणा पुलिस को हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और अवैध हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े कई मामलों में साहिल चौहान की तलाश थी। वह कुख्यात भूप्पी राणा गैंग का एक प्रमुख सदस्य है, जो हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में सक्रिय है। 4 जनवरी 2017 को चौहान ने कथित तौर पर जगाधरी कोर्ट परिसर (यमुनानगर, हरियाणा) में गैंग रंजिश के चलते मोनू राणा पर उस समय फायरिंग की थी, जब उसे लंबित आपराधिक मामलों में सुनवाई के लिए अदालत में पेश किया गया था।

इस मामले में उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी और उसे 10 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, जमानत पर रिहा होने के बाद वह फरार हो गया और विदेश भाग गया।

आईएसआई के जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़

पल्ली मोड़ हाईवे पर अत्याधुनिक कैमरा जब्त

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में जम्मू-पठानकोट नेशनल हाईवे पर स्थित पल्ली मोड़ फ्लाईओवर के पास बिजली के खंभे पर लगाया गया अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरा दिल्ली पुलिस की विशेष जांच टीम ने जब्त कर लिया। यह कैमरा पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर सेना और सुरक्षा बलों की मूवमेंट पर नजर रखने के लिए लगाया गया था। मामले के सामने आने के बाद खुफिया

एजेंसियों में हड़कंप मच गया।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान समर्थित एक बड़े जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बता दें कि स्पेशल सेल की टीम कठुआ पहुंची और दबिश देकर कैमरा जब्त कर लिया। पुलिस ने पूरे देश में 9 जगहों पर लगाए गए सोलर पावर्ड सीसीटीवी कैमरे बरामद किए हैं। इनमें कठुआ के अलावा कपूरथला, जालंधर, पठानकोट, पटियाला, मोगा (पंजाब), अंबाला (हरियाणा), बीकानेर और अलवर (राजस्थान) शामिल हैं। के ठिकानों, कैंटोनमेंट और लॉजिस्टिक रूट्स के पास हैं।

अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधि वार्ता के लिए इस्लामाबाद में डटे

• पाकिस्तान कर रहा है मध्यस्थता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में संघर्ष विराम को लेकर वार्ता विशेषज्ञ स्तर पर पहुँच गई। विशेषज्ञों में सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े लोग शामिल बताए जा रहे हैं। इससे पूर्व ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ को अपनी शर्तें बता दीं और प्रस्ताव भी सौंपा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार ईरान और अमेरिका के बीच सीधी नहीं हो रही है। ईरान की तरफ से आए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर कालिबफ कर रहे हैं जबकि अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व में जेडी वेंस कर रहे हैं। इससे पहले ईरानी सूत्रों ने बताया कि अमेरिका ईरान की जब्त की हुई संपत्तियों को रिलीज करने के लिए तैयार हो गया है। ईरान इसे गुडविल सिंबल के तौर पर देखता है। ईरान का मानना है कि यह लंबे समय तक शांति वार्ता के लिए जरूरी था। ईरानी सूत्र ने कहा कि जब्त संपत्तियों को रिलीज किए जाने सीधे तौर पर होर्मुज खोलने से जुड़ा है। हालांकि अमेरिका ने इसका खंडन कर दिया। इस वार्ता को लेकर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि यह पश्चिम एशिया के भविष्य को तय कर सकती है। यह वार्ता 8 अप्रैल को घोषित युद्धविराम के बाद हो रही है और इसका उद्देश्य संघर्ष को स्थायी रूप से खत्म करना है।

इससे पूर्व ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने कहा कि अगर बातचीत अमेरिका फर्स्ट सोच के साथ होती है, तो समझौता संभव है। लेकिन अगर अमेरिका इजराइल फर्स्ट नीति अपनाता है, तो कोई डील नहीं होगी और संघर्ष और बढ़ सकता है।

ईरान एक असफल देश: डोनाल्ड ट्रंप

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान एक पूरी तरह से नाकाम देश है और उसके पास दबाव बनाने के लिए होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के अलावा और कुछ नहीं है। ट्रंप से पूछा गया कि क्या आपको लगता है कि ईरान का रुख सुलह-समझौते की ओर है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मैं आपको बहुत जल्द ही इस बारे में बताऊंगा कि इस्लामाबाद वार्ता में ईरान सद्भावना से काम कर रहा है या नहीं।

हमारी उंगलियां ट्रिगर पर: ईरान

ईरान की प्रवक्ता फातिमा मोहजेरानी ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में चल रही बातचीत के बीच अमेरिका को धमकी दी। फातिमा ने कहा कि बातचीत के बीच हमारी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन वार्ता करने वाली टीम न तो पीछे हटेगी और न ही अमेरिका पर भरोसा करेगी।

'होर्मुज' में सबसे खतरनाक दौर आना बाकी: रे डालियो

दुनिया के जाने-माने निवेशक और ब्रिजवाटर एसोसिएट्स के संस्थापक रे डालियो ने ईरान से जुड़े मौजूदा संघर्ष को लेकर बड़ी चेतावनी दी। उनका कहना है कि इस टकराव का सबसे गंभीर और निर्णायक चरण अभी बाकी है और होर्मुज जलडमरूमध्य पर होने वाली अंतिम लड़ाई ही यह तय करेगी कि इस युद्ध में कौन जीतेगा और कौन हारेगा।

मेरठ : बेटी की मौत के बाद 6 महीने तक घर में रखा शव, परफ्यूम छिड़ककर छिपाता रहा राज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में रिश्तों और इंसानियत को झकझोर देने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। सदर बाजार के तेली मोहल्ला निवासी एक पिता ने अपनी 32 वर्षीय बेटी की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार करने के बजाय, करीब छह महीने तक उसके शव को घर के भीतर ही छिपाए रखा। हैरान करने वाली बात यह है कि शव से आने वाली दुर्गंध को दबाने के लिए आरोपी पिता तीन महीने तक उस पर परफ्यूम और रूम फ्रेशनर छिड़कता रहा। जब लाश पूरी तरह कंकाल में तब्दील हो गई, तो वह मकान में ताला लगाकर देहरादून फरार हो गया। इस सनसनीखेज मामले का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ जब आरोपी उदय भानू विश्वास को उसके परिजनों ने बेगमबाग स्थित एक चाय की दुकान पर कुछ रिक्शा चालकों के साथ देखा। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त उदय भानू से जब उसकी अविवाहित बेटी प्रियंका के बारे में पूछा गया, तो उसने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि उसका इलाज देहरादून के एक अस्पताल में चल रहा है। शक होने पर परिजन उसे जबरन घर ले आए और बंद मकान का दरवाजा खुलवाया। अंदर का नजारा देख सबकी रूह कांप गई; बिस्तर पर प्रियंका का कंकाल पड़ा हुआ था। जांच में सामने आया है कि प्रियंका की मौत अक्टूबर 2025 में दशहरे के आसपास हुई थी। आरोपी ने इस बात को रिश्तेदारों से छिपाए रखा और दिसंबर तक शव के साथ ही उसी घर में रहा। जब पड़ोसियों को बदबू का अहसास होने लगा, तो वह परफ्यूम का इस्तेमाल करने लगा। 25 दिसंबर के बाद वह घर छोड़कर भाग गया और देहरादून में रिक्शा चलाने लगा। इस बीच, रिश्तेदारों के फोन आने पर वह बेटी के इलाज का बहाना बनाता रहा।

मणिपुर में पेट्रोलिंग कर रहे जवान की गोली मारकर हत्या, बीएसएफ में था तैनात

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के एक जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक कांस्टेबल मिथुन मंडल को शाम को गोली लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने बताया कि मिथुन मंडल पश्चिम बंगाल के भगजन टोला गांव के रहने वाले थे और बीएफएफ में तैनात थे। बता दें फरवरी में दो समुदायों के बीच हुई जातीय झड़पों के बाद कुकी गांव मोंगकोट चेपू और पड़ोसी तांगखुल नागा इलाके में गोलीबारी की घटनाएं होती रही हैं। यहां जारी तनाव के बीच पेट्रोलिंग कर रहे बीएफएफ के जवान पर यह हमला हुआ है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि हमले के पीछे शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बल इलाके में सर्च ऑपरेशन और चला रहा है। फिलहाल हमलावरों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। सीएम वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि कांस्टेबल मिथुन मंडल की दुखद शहादत की कड़ी निंदा करता हूं। पश्चिम बंगाल के इस बहादुर बेटे के ड्यूटी के दौरान दिए गए बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी

पलक्कड़ (एजेंसी)। पलक्कड़ के एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्थर फेंकने की घटना सामने आई है। घटना में ट्रेन को मामूली नुकसान पहुंचा है, हालांकि किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी के अनुसार यह शाम करीब 4:30 बजे पलक्कड़ जिले के पराली इलाके के पास हुई। तब ट्रेन अपनी नियमित गति से बेंगलुरु की ओर बढ़ रही थी। अचानक किसी ने ट्रेन पर पत्थर फेंक दिया। जिससे कोच में लगी एक खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हुआ। रेलवे पुलिस के अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद स्थिति पर काबू पाया गया। रेलवे कर्मचारियों ने भी तत्परता दिखाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस बारे में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कुछ स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने दावा किया है कि यह कृत्य किसी मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति या नशे की हालत में किसी व्यक्ति द्वारा किया गया हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

गोवा, महाराष्ट्र, बंगाल और आखिर में पंजाब... 35 साल बाद पकड़ा गया हत्या का आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 35 साल से फरार चल रहे एक हत्या आरोपी छवि लाल वर्मा को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। यह मामला 2 अगस्त 1991 का है, जब पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में एक घर के अंदर मां और बेटे पर चाकू से हमला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान मां की मौत हो गई, जबकि बेटा कई दिनों बाद ठीक हो गया। होश में आने पर बेटे ने बताया कि हमला उनके किराएदार छवि लाल ने किया था। यह जानकारी मिलते ही आरोपी को एहसास हुआ कि वह जल्द ही पकड़ा जाएगा, इसलिए वह फरार हो गया। पुलिस ने लंबे समय तक उसकी तलाश की और उसके उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित घर पर भी नजर रखी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। हैरानी की बात यह रही कि छवि लाल ने कभी अपने परिवार से सीधे संपर्क नहीं किया, यहां तक कि अपने बच्चों की शादी में भी नहीं पहुंचा। इसके साथ ही समय बीतने के साथ मामला ठंडा पड़ गया, लेकिन हाल ही में क्राइम ब्रांच ने पुरानी फाइलों की समीक्षा शुरू की। करीब छह माह पहले इस केस को फिर से खोला और नई जांच शुरू हुई। जांच के दौरान पता चला कि छवि लाल अपने परिवार से सीधे बात करने के बजाय पड़ोसियों के जरिए संदेश भेजता था। इसी आधार पर पुलिस ने उसके गांव पर फिर नजर रखी और आखिरकार एक सुराग मिला। पुलिस ने 9 अप्रैल को लुधियाना में छवि लाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मुझे लगा था कि उसकी मकान मालकिन के पास काफी पैसा है, इसलिए लूट और हत्या की योजना बनाई थी।

पाकिस्तान में सीजफायर को लेकर वार्ता के बीच भारत ने की बड़ी कूटनीतिक पहल

ईरान युद्ध से प्रभावित खाड़ी के 6 अहम देशों से की अलग-अलग बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीडिया ईस्ट संकट के स्थायी समाधान को लेकर पाकिस्तान में अस्थायी सीजफायर से संबंधित पक्ष आगे का रास्ता तलाशने के लिए जुटे। इसी दौरान भारत ने एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है, जिसमें ईरान युद्ध से प्रभावित खाड़ी के 6 अहम देश शामिल हुए। भारत ने गल्फ कोऑपरेशन कार्उसिल (जीसीसी) के देशों के साथ अपनी एकजुटता जाहिर की है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत का यह संदेश सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान तक पहुंचाया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने खाड़ी के इन छह देशों को एक बार फिर यह बात दोहराई है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से पैदा होने वाली जरूरी खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन में आने वाली किसी भी तरह की रुकावट के समाधान में हमारा समर्थन जारी रहेगा।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से इस संबंध में शुक्रवार को बयान जारी किया गया था, उससे स्थिति और साफ हुई कि मौजूदा संकट की स्थिति में खाड़ी देशों की चुनौतियों को लेकर भारत का स्टैंड क्या है।

गोयल ने गल्फ कोऑपरेशन कार्उसिल के सेक्रेटरी जनरल जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से वर्चुअल कॉल में उम्मीद जताई कि क्षेत्र में जो युद्धविराम घोषित हुआ है, वह स्थायी होगा और स्थायी शांति एवं स्थिरता का रास्ता साफ करेगा। इस दौरान गोयल ने वर्चुअल माध्यम से ही जीसीसी के यूएई, बहरीन और कुवैत जैसे सदस्यों से अलग से भी बात की। भारत के लिए खाड़ी देशों के इस ग्रुप के साथ इस तरह की एकजुटता दिखाना इस वजह से बहुत ही अहम है, क्योंकि यह ब्लॉक भारत का सबसे बड़ा तेल और गैस सप्लायर है। इसके अलावा खाड़ी देशों के इस ग्रुप के साथ भारत की फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर भी बातचीत चल रही है। गल्फ कोऑपरेशन कार्उसिल से पीयूष गोयल की चर्चा से पहले पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी कतर की यात्रा पर गए।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शनिवार से संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर हैं। पश्चिम एशिया संकट की वजह से खाड़ी देश हों या फिर भारत, सबसे बड़ी दिक्कत होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर हो रही है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह से नियंत्रण में कर लिया है, उससे अगर भारत के सामने तेल और गैस का संकट खड़ा हुआ है तो खाड़ी देशों का निर्यात भी बंद हुआ है और उन तक पहुंचने वाले खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन पर भी असर पड़ा है। ऐसे में गल्फ कोऑपरेशन कार्उसिल में ओमान की सदस्यता का इस समय अलग मायने है। ऐसे में ओमान को गल्फ कोऑपरेशन कार्उसिल के अन्य खाड़ी मुल्क सदस्यों के साथ एक टेबल पर लाना भारत की बड़ी कूटनीतिक पहल साबित हो सकती है।

थाईलैंड से भारत लाया जा रहा मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल, हरियाणा एसटीएफ हिरासत में लेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान को थाईलैंड से निर्वासित कर भारत वापस लाया जा रहा है। शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उतरते ही हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स उसे अपनी हिरासत में ले लेगी। साहिल चौहान न केवल हरियाणा पुलिस बल्कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिट लिस्ट में भी प्रमुखता से शामिल था।

साहिल चौहान संगठित अपराध की दुनिया का एक खूंखार नाम बन चुका था। वह वर्तमान में जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी के गिरोह का सबसे सक्रिय और मुख्य सदस्य माना जाता है। जांचकर्ताओं के अनुसार, साहिल विदेश में बैठकर भारत में कई कॉन्ट्रैक्ट किलिंग (सुपारी लेकर हत्या) की साजिशें रच रहा था। वह हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के व्यापारियों से रंगदारी वसूलने और उन्हें डराने-धमकाने के दर्जनों मामलों में वांछित है। भारत से बाहर रहने के कारण वह सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ था, क्योंकि वह वहीं से अपने गिरोह के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। शनिवार को साहिल चौहान की वापसी को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। जैसे ही वह भारतीय जमीन पर कदम रखेगा, एसटीएफ उसे अपनी कस्टडी में लेकर सुरक्षित स्थान पर ले जाएगी। इसके बाद उसे अदालत में पेश कर रिमांड की मांग की जाएगी। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि साहिल की गिरफ्तारी से कौशल चौधरी गिरोह की कमर टूट जाएगी। यह कार्रवाई उन अपराधियों के लिए एक सख्त संदेश है जो विदेश भागकर भारतीय कानून से बचने का भ्रम पाले हुए हैं।

गिरफ्तारी और निर्वासन की प्रक्रिया- साहिल की गिरफ्तारी केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस के बीच बेहतर तालमेल का परिणाम है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां उसकी तलाश में थीं। हाल ही में उसे थाईलैंड में हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर उसके निर्वासन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया।

जेल से बाहर आने दुष्कर्म के आरोपी ने चली चाल, युवती से शादी का किया नाटक

-लड़की ने अपील की हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका की खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी)। नाबालिग लड़की से रेप के आरोपी ने जेल से निकलने का प्लान बनाया। उसने अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों में लड़की को उलझाकर उससे शादी कर ली। शादी के बाद उसे जमानत मिल गई और वह जेल से बाहर आ गया, लेकिन बाद में लड़की को अहसास हुआ कि ये शादी एक फरेब थी। ऐसे में लड़की ने कोर्ट में अपील की और आरोपी की जमानत याचिका खारिज हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट का है। आरोपी पर लॉ स्टूडेंट के नाबालिग होने के दौरान उसके साथ दुष्कर्म करने और फिर अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद उससे शादी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि यह शादी जेल जाने से बचने की एक चाल थी। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि आरोपी ने यह शादी सिर्फ जमानत पाने की एक चाल के तौर पर की, जबकि उसने एक नाबालिग लड़की के साथ बार-बार दुष्कर्म किया था, लेकिन शादी कर लेने से भी आरोपी इस अपराध से बरी नहीं हो जाएगा।

कोर्ट ने पीड़ित के बदलते रुख पर भी बात की। बता दें पीड़िता ने कहा कि उसे एफआईआर की बातों की जानकारी नहीं थी, क्योंकि शिकायत उसके वकील ने लिखी थी। कोर्ट ने कहा कि यह बात यकीन करने लायक नहीं है कि लॉ की स्टूडेंट होने के बावजूद उसे एफआईआर की बातों का पता नहीं था, जबकि शिकायत का अनुवाद अंग्रेजी से हिंदी में किया गया था। जज ने दोनों के बर्ताव को देखते हुए जमानत की अर्जी खारिज कर दी। प्रॉसिक्यूशन के मुताबिक वह आरोपी सोशल मीडिया पर उस लड़की से मिला और उससे दोस्ती कर ली। बाद में, उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे दो बार गर्भपात करवाने के लिए मजबूर किया। जब वह बालिग हो गई तो उसने उससे शादी करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसने एफआईआर दर्ज करवाई। फिर उस शख्स ने फरवरी 2026 में उससे शादी कर ली। हाई कोर्ट ने कहा आरोपी के गिरफ्तार होने और जेल में जाने के बाद ही वह उससे शादी करने को राजी हुआ, इसलिए इस कोर्ट के आदेश के तहत उसकी अंतरिम जमानत अर्जी का निपटारा कर दिया गया। अतिरिक्त सरकारी ने इस अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि पुलिस को उस महिला के खिलाफ भी कार्रवाई करने की जरूरत है। आरोपी ने कहा कि उसकी उस महिला से शादी हो चुकी है और यह जमानत के लिए एक सही मामला है।

बिहार में मुख्यमंत्री की रेस में चिराग पासवान का बयान... मैं इस रेस में शामिल नहीं

नीतिश को पागल कहने वाली राजद को जनता ने 25 सीटों पर सिमट दिया

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्यसभा सांसद बन गए हैं। वे 14 अप्रैल को सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके साथ ही अगले दिन बिहार में नई सरकार का गठन होगा।

जहां बिहार में नई सरकार को लेकर हलचल तेज है। वहीं शनिवार सुबह जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी, सीएम नीतीश से मिलने पहुंचे। सीएम आवास पर करीब 2 घंटे तक जेडीयू नेताओं की बैठक हुई। बैठक में नए मंत्रिमंडल के स्वरूप और उसमें युवा चेहरों को शामिल करने को लेकर चर्चा हुई। वहीं, पटना में भाजपा की अहम बैठक होने वाली है। इसमें बिहार बीजेपी के प्रभारी विनोद तावड़े मौजूद रहने वाले है। बैठक में सीएम चेहरे और नई सरकार के गठन पर चर्चा हो सकती है।

इधर, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि वे बिहार में सीएम की रेस में नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का सिर्फ चेहरा बदलेगा, लेकिन फॉर्मूला वहीं रहेगा।

राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बयान पर अशोक चौधरी ने कहा, एक व्यक्ति मुख्यमंत्री का पद छोड़कर राज्यसभा जा रहा है। इनके परिवार में ऐसा उदाहरण नहीं है। इनके परिवार में उदाहरण है कि पिता (लालू यादव) जेल गए.........माता(राबड़ी देवी) को मुख्यमंत्री बना दिया था। चुनाव के पहले कहते थे कि नीतीश मानसिक रूप से पागल हो गए हैं। इसके बाद बिहार की जनता दिखा दिया राजद 25 सीटों पर सिमट गई। आने वाले समय में राजद का पूरा सत्यानाश होगा। नई सरकार के सवाल पर चौधरी ने कहा कि नीतीश के राज्यसभा सदस्य बनने से फिलहाल सरकार बदलने की कोई बात नहीं है।

शुक्रवार को नीतीश ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस मौके पर बिहार एनडीए के कई नेता मौजूद रहे। इसके साथ ही नीतीश कुमार ने इस शपथ के साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। वे देश के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं,

जो चारों सदनों, लोकसभा, राज्यसभा, बिहार विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। राज्यसभा में यह उनका पहला कार्यकाल है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को मिली जान से मारने की धमकी

वाराणसी (एजेंसी)। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को जान से मारने की धमकी मिलने के मामले में भेलूपुर थाने में शनिवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धमकी देने वाले ने ऑडियो मैसेज के माध्यम से कहा था कि शंकराचार्य को अतीक अहमद की तरह मार दिया जाएगा और उनका समय नजदीक आ गया है। पुलिस के अनुसार, शंकराचार्य को धमकी दिए जाने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान धमकी भेजने वाले मोबाइल नंबर की भी पहचान की जा रही है। शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि हाल ही में ज्योतिष पीठ के आधिकारिक मोबाइल नंबर पर एक अप्रैल से लगातार टेक्स्ट मैसेज आने शुरू हुए थे। नंबर को ब्लॉक करने के बाद छह अप्रैल को वॉइस मेल में दो धमकी भरे ऑडियो संदेश भेजे गए। धमकी देने वाले ने ऑडियो में कहा, 'इस दुनिया से उनका समय आ गया है, अब ज्यादा दिन नहीं रह सकते।' बार-बार शंकराचार्य जी महाराज से बात करने का दबाव बनाया गया। संदेश में यह भी कहा गया कि जहां भी वे यात्रा कर रहे हैं, बीच रास्ते में ही उन्हें खत्म कर दिया जाएगा। धमकी देने वाले ने दावा किया कि 'मेरे जैसे लाखों लोग हैं, जो उन्हें मारने के लिए तैयार हैं।'

कूनो नेशनल पार्क में ऐतिहासिक उपलब्धि : भारतीय मूल की मादा चीता ने दिए चार शावकों को जन्म

अरणि गौड़
नई दिल्ली (शिखर समाचार)।

भारत की चीता संरक्षण यात्रा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। कूनो नेशनल पार्क में भारतीय मूल की एक मादा चीता ने जंगल में चार शावकों को जन्म दिया है। यह घटना देश में वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस उपलब्धि को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह भारत के चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मादा चीता गामिनी की संतति है, जिसकी उम्र लगभग 25 महीने है और जो पिछले एक वर्ष से अधिक समय से खुले जंगल में रह रही है। इसने प्राकृतिक परिस्थितियों में चार शावकों को जन्म देकर यह सिद्ध कर दिया है कि भारत

में चीते अब धीरे धीरे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप ढलने लगे हैं। मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि वर्ष 2022 में शुरू हुए चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम के बाद यह पहली बार है जब किसी चीता ने खुले जंगल में सफलतापूर्वक शावकों को जन्म दिया है। विशेष रूप से यह घटना इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि इसमें भारतीय मूल की मादा चीता शामिल है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इस परियोजना के मूल उद्देश्यों जंगल में चीते का सुरक्षित जीवन और प्राकृतिक रूप से प्रजनन की दिशा में एक बड़ी सफलता है। साथ ही यह कूनो नेशनल पार्क में किए जा रहे वैज्ञानिक प्रबंधन, सतत निगरानी और संरक्षण कार्यों की प्रभावशीलता को भी दशार्ती है। भूपेंद्र यादव ने इस सफलता के लिए वन्यजीव प्रबंधकों, पशु चिकित्सकों और फील्ड स्टाफ के समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इसे पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। यह घटना न केवल कूनो नेशनल पार्क बल्कि पूरे भारत के वन्यजीव संरक्षण अभियान के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो भविष्य में चीता आबादी के स्थायी पुनर्स्थापन की संभावनाओं को और अधिक मजबूत करता है।

वृंदावन नाव हादसा : यमुना में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, अब तक 10 की मौत और 5 अब भी लापता

मथुरा (एजेंसी)। धर्मनगरी वृंदावन के केसी घाट पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक नाव हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 22 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। शनिवार को दूसरे दिन भी लापता 5 लोगों की तलाश में बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तलाश अभियान को तेज करने के लिए सेना (आर्मी) समेत विभिन्न राहत दलों के करीब 250 जवान तैनात किए गए हैं। रेस्क्यू टीमें घटनास्थल से लेकर 14 किलोमीटर के दायरे में जाल बिछाकर लापता लोगों को ढूंढ रही हैं। इस तलाशी अभियान में नाव जंगलों में फंसी मिल गई है लेकिन 5 लोग अभी भी लापता हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यमुना का बहाव तेज होने के कारण लापता लोगों के दूर बह जाने की आशंका है। साथ ही, नदी के तल में भारी गाद और कीचड़ होने की वजह से शवों के रेत में दबे होने की संभावना भी जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हादसे के 24 घंटे बीतने के बाद शव फूलकर पानी की सतह पर आ सकते हैं। यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ, जब 37 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव यमुना के बीचों-बीच पलट गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि नाव की क्षमता 40 लोगों की थी, लेकिन सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए किसी भी श्रद्धालु को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। मृतकों में एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं, जिनमें मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा जैसे करीबी रिश्तेदार थे। जिस जगह नाव डूबी, वहां पानी की गहराई करीब 25 फीट बताई जा रही है।

हादसे में जीवित बचे एक युवक ने बताया कि नाव तट से करीब 50 फीट दूर थी, तभी 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने लगीं। नाव डगमगाने लगी और नाविक ने नियंत्रण खो दिया। श्रद्धालुओं ने नाविक से नाव रोकने की गुहार लगाई, लेकिन उसने अनसुना कर दिया। नाव दो बार पीपा पुल से टकराते-टकराते बची, लेकिन तीसरी बार जोरदार टक्कर हुई और नाव देखते ही देखते पानी में समा गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी नाविक पप्पू निषाद को हादसे के 6 घंटे बाद शनिवार रात हिरासत में ले लिया है। वह हादसे के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया था। प्रशासन अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की एसआईआर में 6.08 करोड़ नाम कटे

यूपी में 2.04 करोड़ तो पश्चिम बंगाल में 91 लाख लोग फाइनल सूची से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग के एसआईआर के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को यूपी में फाइनल वोटर सूची जारी की। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटरों की सूची में कुल 6.08 करोड़ नाम कट गए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ थी। फाइनल सूची जारी होने के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के दूसरे फेज में यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप की फाइनल वोटर सूची जारी की गई है। यूपी में शुक्रवार को जारी हुई एसआईआर की फाइनल सूची में वोटर्स की संख्या 13फीसदी घटकर 13.39 करोड़ रह गई यानी 2.04 करोड़ लोगों के नाम कट गए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 91 लाख वोटर्स के नाम फाइनल सूची से बाहर हो गए हैं।

चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार, दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराया गया था। वहीं असम में एसआईआर के बजाय 10 फरवरी को स्पेशल रिवीजन पूरा किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान कई राज्यों में शेड्यूल में कई बार बदलाव हुए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

बता दें देश के करीब 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को इस अभियान में शामिल किया जा चुका है। अब बाकी 39 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के तीसरे फेज 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में कवर किया जाएगा। इन 22 राज्यों-यूटी में एसआईआर प्रक्रिया इस महीने पांच विधानसभा चुनावों के बाद शुरू की जाएगी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक यह कार्रवाई नवंबर से चल रही प्रक्रिया के तहत की गई है, आयोग के 28 फरवरी तक के आंकड़ों के मुताबिक एसआईआर शुरू होने के बाद 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई। बाद में जांच और प्रक्रिया पूरी होने के साथ कुल हटाए गए नामों की संख्या बढ़कर करीब 90.83 लाख हो गई है।

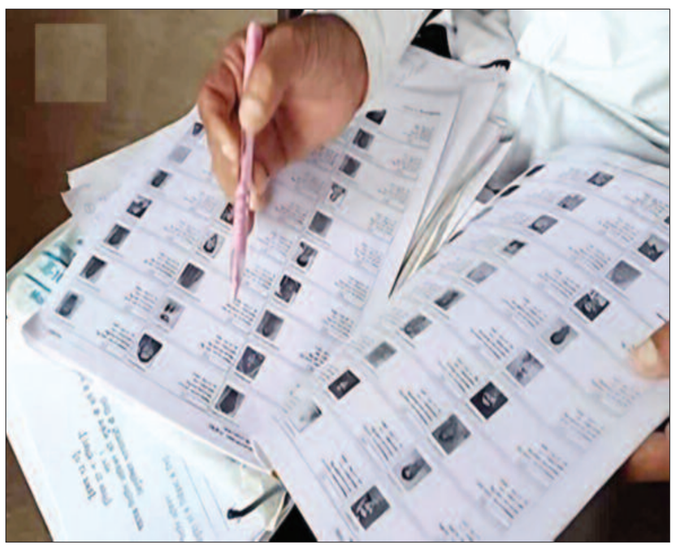

नगर निगम ने हॉउस टैक्स पर पेनल्टी से लोगों को दी राहत, 3 महीने के अंदर जमा करने पर मिलेगी पूरी छूट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीत पाल त्यागी, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एस के राय की अध्यक्षता में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में हाउस टैक्स में शहर को राहत देते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर योजना साझा की गई। महापौर सुनीता दयाल द्वारा शहर हित में हाउस टैक्स पर छूट जारी रहेगी बताया गया कि 10 वर्ष तक पुराने भवनों पर निर्धारित ए आर वी पर 25% की छूट, 10 वर्ष से अधिक 20 वर्ष तक पुराने भवनों की निर्धारित ए आर वी पर 32.5% की छूट, 20 वर्ष से पुराने भवन पर 40% की छूट जारी रहेगी। इसके अलावा ऑनलाइन हाउस टैक्स जमा करने पर 2% की छूट मिलेगी और कूड़ा प्रथक्करण के लिए 10% की अतिरिक्त छूट भी निगम द्वारा दी जाएगी। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा दी जाने वाली 20% की छूट को 3 महीने तक बढ़ाया गया है। 12% ब्याज आगामी 3 महीने तक शहर वासियों पर नहीं लगाया जाएगा। नगर आयुक्त ने प्रेजेंटेशन देते हुए उपस्थित जनों को शासन के निर्देश के क्रम में हाउस टैक्स पर दी गई राहत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। 2024

से पूर्व की दरों के आधार पर निर्धारित टैक्स से वर्तमान की जो दर लागू की जा रही है, उस पर समस्त छूट देने के बाद जो टैक्स आवासीय भवन पर निर्धारित है। वह लगभग 10 से 15% की वृद्धि होगा। करदाता सभी छूट का लाभ लेते हुए 10 से 15% वृद्धि के साथ अपना टैक्स जमा कर सकते है। इसके अतिरिक्त बिना छूट लिए हाउस टैक्स में केवल 20% की वृद्धि है। अभी तक जिन्होंने अपना हाउस टैक्स जमा कर दिया गया है, उनको आगे 3 वर्षों में समायोजित करते हुए कम हाउस टैक्स ही जमा करना होगा। विभाग के सभी अधिकारियों व टीम को शासन के निर्देश के क्रम में कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

स्कूल चलो अभियान के तहत छात्राओं ने निकाली जन जागरूकता रैली

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत गांव में जन जागरूकता रैली निकालकर शिक्षा का संदेश दिया। रैली के दौरान बालिकाओं ने शिक्षा की अलख जगाते हुए हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर जागरूकता नारे लगाए।

रैली विद्यालय प्रांगण से शुरू होकर ग्राम हीरावाली महेशपुर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः विद्यालय पहुंची। इस दौरान छात्राओं ने ग्रामीणों को बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा के प्रति प्रेरित किया और विद्यालय में नामांकन बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पुरैनी की वार्डन सुषमा रानी ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गई है। उन्होंने कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है तो उससे तीन

परिवार शिक्षित होते हैं, इसलिए सभी अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें और उन्हें शिक्षित बनाएं। यही शासन की मंशा भी है।

विद्यालय में सत्र 2025-26 के दौरान शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज होने पर खुशी व्यक्त की गई। इस अवसर पर बालिकाओं की माताओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिन छात्राओं ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया, उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक शिक्षक अभिभावक बैठक का भी आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मीनाक्षी चौधरी ने की। इस दौरान शिक्षा की गुणवत्ता और छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सुरक्षा तैयारियों का जायजा, पुलिस अधीक्षक नगर ने किया स्थलों का निरीक्षण

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित जनपद आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यक्रम स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर ने सभा स्थल, हेलीपैड एवं अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति अनावरण स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखी जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सभा स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रभावी बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास मार्गों का सुव्यवस्थित निर्धारण तथा भीड़ नियंत्रण के समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही वीआईपी मूवमेंट को सुरक्षित एवं सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

हेलीपैड स्थल के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एंटी-सैबोटाज जांच, अग्नि सुरक्षा प्रबंध तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सतत निगरानी बनाए रखने पर भी बल दिया गया।

अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति अनावरण स्थल पर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम सुनिश्चित करने, भीड़ नियंत्रण को प्रभावी बनाने तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ड्रोन कैमरे के माध्यम से सभी स्थलों का हवाई अवलोकन कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट, अपर जिलाधिकारी (वित्त), सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन का उद्देश्य मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है, जिसके लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

रोड सफाई मशीन और 8 निर्माण कार्यों का लोकार्पण, बिजनौर को स्वच्छ व आधुनिक बनाने की पहल तेज

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने नगर को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक स्वरूप प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शनिवार को सड़कों की सफाई के लिए आधुनिक रोड सफाई मशीन का लोकार्पण किया। इसके साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में कराए गए आठ महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर नगर में विकास और स्वच्छता को लेकर नई ऊर्जा देखने को मिली। लोकार्पण कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह की विशेष उपस्थिति रही। इंदिरा सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रोड सफाई मशीन को रवाना किया और कहा कि अब नगर की सड़कों की सफाई आधुनिक तकनीक के माध्यम से की जाएगी, जिससे धूल-मिट्टी से लोगों को राहत मिलेगी और स्वच्छता का स्तर पहले से कहीं अधिक बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि यह मशीन नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाएगी। इंदिरा सिंह ने कहा कि बिजनौर नगर का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी लक्ष्य के तहत निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिन आठ सड़क निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया है, वे नगर के अलग-अलग वार्डों में स्थित हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड संख्या 13 में 'वार्ड चौपाल' का आयोजन भी किया गया, जहां इंदिरा सिंह ने स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित किया और क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद सड़क, पथ प्रकाश और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। यदि आमजन भी स्वच्छता के प्रति सजग रहें और नगर पालिका के प्रयासों में सहयोग करें, तो बिजनौर को एक आदर्श और स्वच्छ नगर के रूप में विकसित किया जा सकता है। इस अवसर पर सभासद तरुणा, मनी चौधरी, नीरज शर्मा, अभिषेक राणा, तुषार चौधरी, शमशाद गामा, मनोरमा शर्मा और सुरेंद्र सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं पालिका प्रशासन की ओर से सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, अवर अभियंता (सिविल) यशवंत सिंह, अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि नगर पालिका परिषद आधुनिक संसाधनों और योजनाबद्ध विकास कार्यों के जरिए बिजनौर को स्वच्छ, सुगम और विकसित नगर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विधायक मदन भैया ने की मुलाकात, विकास प्रस्तावों पर हुई चर्चा

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से खतौली विधानसभा क्षेत्र के विधायक मदन भैया ने मुलाकात कर क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और आवश्यकताओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया तथा विकास कार्यों को शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया। विधायक द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर योजनाएं तैयार की गई हैं, जिससे हर वर्ग तक सुविधाओं का लाभ पहुंच सके। मदन भैया ने यह भी बताया कि वह लगातार क्षेत्र के विकास कार्यों की निगरानी कर रहे हैं और आम जनता से सीधा संवाद बनाए रखते हैं। प्रत्येक शनिवार और रविवार को खतौली जीटी रोड स्थित उनके कार्यालय पर जनसुनवाई आयोजित की जाती है, जहां बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। इन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए जाते हैं। विधायक ने कहा कि वह क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने का प्रयास करते हैं और जरूरतमंदों की हर संभव सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। मुख्यमंत्री से हुई यह मुलाकात खतौली विधानसभा क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि प्रस्तावों को स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और जनता को इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा।

श्री बालाजी की शोभायात्रा से गूंजा शामली, श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

शामली (शिखर समाचार)। शहर के जैन मोहल्ला नौकुआ रोड स्थित श्री बाबा दयालदास मंदिर से शनिवार को श्री बालाजी महाराज की भव्य शोभायात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली, जिसका विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 7 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ हुई। इसके पश्चात प्रातः 10 बजे संकट मोचन कष्ट निवारण महायज्ञ का आयोजन किया गया। प्रातः 11 बजे 108 दीप प्रज्ज्वलन कर बाबा को छप्पन भोग अर्पित किए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। दोपहर 3 बजे श्री बालाजी महाराज की शोभायात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई, जिसका शुभारंभ सदर विधायक प्रसन्न चौधरी द्वारा किया गया। शोभायात्रा फव्वारा चौक, कबाड़ी बाजार, नया बाजार, गांधी चौक, शिव चौक, रेलवे रोड, हनुमान रोड और वीवी इंटर कॉलेज रोड से होते हुए संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान भक्तजन भजन कीर्तन करते हुए पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण में सराबोर करते रहे। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भंडारों का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। देर रात महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस पावन अवसर पर पूज्य गुरु चन्द्रकिरण महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में राजीव कुमार, दीपक गर्ग, दिनेश गोयल, संजय पंडित, कंवरपाल, दीपक मित्तल, प्रवीन गर्ग, समय सिंह हलवाई, रवि कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा दक्षिण मंडल में प्रशिक्षण महा अभियान 2026 का हुआ शुभारंभ

हापुड़ (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी जिला हापुड़ के हापुड़ दक्षिण मंडल में गोल मार्केट स्थित पंडित छज्जू मल की धर्मशाला में शनिवार को प्रशिक्षण महा अभियान 2026 का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल द्वारा किया गया। अभियान के प्रथम सत्र में जिला अध्यक्ष कविता माद्रे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी ने निरंतर संगठनात्मक मजबूती और विचारधारा के बल पर वर्ष 2026 तक नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। इसके उपरांत क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह प्रशिक्षण महा अभियान 24 घंटे तक चलने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसमें

कार्यकर्ताओं को संगठन, विचारधारा और आगामी रणनीतियों से अवगत कराया जा रहा है। दिन के समापन सत्र में सदर विधायक विजय पाल आढ़ती ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ प्रदेश और देश में कार्य कर रही है और आज भारत का परचम विश्व पटल पर मजबूती से लहरा रहा है। कार्यक्रम का समापन रविवार शाम 4 बजे पंडित छज्जू मल धर्मशाला में होगा। अगले दिन के सत्र का शुभारंभ जिला प्रभारी सतपाल सैनी द्वारा प्रातः 10 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुनील वर्मा, जिला उपाध्यक्ष पुनीत गोयल, मंडल महामंत्री विवेक गर्ग, राजेश सक्सेना, महेश तोमर, जिला मंत्री हितेश मोदी, जीत सनी, विवेक चुना, संजय सहारनपुरिया, सुनील सैनी, अमरजीत चौधरी, रतन, कैलाश वर्मा, राखी शर्मा, राखी शर्मा चौटाला, सुमित पर्चा, संजीव चौटाला, हरिओम शर्मा, शशांक गुप्ता, नरेंद्र कोरी, संजीव वशिष्ठ, संजीव वर्मा, मोहन सिंह, सुयश वशिष्ठ सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता में कबड्डी व रस्साकशी का रोमांचक आयोजन

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कुन्द कुन्द जैन महाविद्यालय खतौली में आयोजित वार्षिक खेलकूद उत्सव के अंतर्गत कबड्डी एवं रस्साकशी प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में छात्र एवं छात्राओं ने खेलभावना के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता में छात्र वर्ग और छात्रा वर्ग की ब्लू तथा हरी टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। छात्र वर्ग में ब्लू टीम की कप्तानी प्रशांत ने जबकि हरी टीम का नेतृत्व प्रियांशु ने किया। वहीं छात्रा वर्ग में हरी टीम की कप्तान भारती रहीं और ब्लू टीम की कमान ज्योति के हाथों में थी। दोनों वर्गों में 45-45 मिनट तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। छात्र वर्ग में कड़े संघर्ष के बाद ब्लू टीम ने हरी टीम को पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं छात्रा वर्ग में ब्लू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरी टीम को हराकर विजय हासिल की। रस्साकशी प्रतियोगिता में भी छात्रों और छात्राओं ने जोश के साथ भाग लिया। छात्र वर्ग की टीमों का नेतृत्व रोबिन राणा और राहुल कुमार ने किया, जबकि छात्रा वर्ग में प्राची और खुशी ने कप्तानी संभाली। रस्साकशी के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे, जिसमें दोनों वर्गों की टीमों ने अपनी ताकत और तालमेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंततः छात्र वर्ग में राहुल कुमार की टीम विजयी रही, जबकि छात्रा वर्ग में खुशी ने अपनी टीम को जीत दिलाई। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में क्रीड़ा समिति के सदस्य विपिन कुमार बंसल, आशीष जैन, विकास जैन, निखिल चौहान, विशु, पारूल शर्मा, रजत गुप्ता, मुकुल जैन, मनोज कुमार मलिक, सुधीर कुमार, हिमांशु कुमार, प्रियांशु कुमार और समय सिंह का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में खेल के प्रति उत्साह बढ़ाने के साथ साथ टीम भावना और अनुशासन का संदेश भी दिया है।

किशोरी से दुष्कर्म और परिवार को नशीली दवा खिलाकर घर में की चोरी, तीन आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना नूरपुर क्षेत्र के एक गांव में सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहाँ आरोपियों ने एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और परिवार को नशीली दवा खिलाकर घर में रखे जेवरात पार कर दिए। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित महिला द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार घटना 8/9 अप्रैल की मध्यरात्रि की है। गांव के ही युवक टीटू पुत्र सुनील ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर एक बंद पड़े विवाह मंडप में ले गया। वहां पहले से मौजूद रितेश, विशेष और परीक्षित ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि आरोपियों ने किशोरी को नशीली दवा देकर उसे परिवार के खाने में मिलाने को कहा। किशोरी के ऐसा करने पर पूरा परिवार गहरी नींद में सो गया, जिसका फायदा उठाकर आरोपियों ने घर की अलमारी से आभूषण चोरी कर लिए। घटना का पता शुक्रवार को तब चला जब परिवार को एक वैवाहिक कार्यक्रम में जाना था और अलमारी खोलने पर जेवरात गायब मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार सिंह और सीओ देश दीपक सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने थाना पुलिस को आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। थानाध्यक्ष नूरपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नामजद आरोपियों टीटू, विशेष और परीक्षित को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के लिए बिजनौर भेजा गया है। एसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार सिंह ने बताया कि घटना में शामिल चौथे फरार आरोपी रितेश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं, उसे भी जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

सीसी सड़क का लोकार्पण, महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर किया गया स्मरण

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। कांधला देहात में नवनिर्मित सीसी सड़क का शनिवार को भव्य उद्घाटन किया गया। एमएलसी किरणपाल कश्यप ने फीता काटकर सड़क का लोकार्पण किया, जिससे क्षेत्रवासियों को जलभराव और जर्जर सड़कों की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में कैंप कार्यालय पर समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उनके अभियान तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को विस्तार से याद किया। अपने संबोधन में एमएलसी किरणपाल कश्यप ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का तेजी से विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने पुनः नव निर्मित सीसी सड़क का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर गौरव कश्यप, सुरेंद्र कश्यप, चंद्रपाल कश्यप, संजीव राठी, धीरज प्रधान और दीपक कश्यप सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

अमेजॉन से खरीदा वोल्टास एसी निकला खराब, कोर्ट के आदेश पर दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए एसी खरीदना एक परिवार को महंगा पड़ गया। सेक्टर जूं थर्ड निवासी जागृत सिंह ने अमेजॉन से वोल्टास कंपनी का एसी खरीदा, लेकिन वह खराब निकला। शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई न होने पर पीड़ित को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी, जिसके बाद दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। एसीपी जितेंद्र कुमार के अनुसार जागृत सिंह ने ऑनलाइन एसी खरीदा था। इंस्टॉलेशन के लिए गूगल पर मिले कस्टमर केयर नंबर से संपर्क करने पर दो व्यक्ति उनके घर पहुंचे। उन्होंने खुद को वोल्टास कंपनी के सर्विस सेंटर से बताया और एसी इंस्टॉल कर चले गए। कुछ समय बाद एसी ने कूलिंग नहीं की। जांच करने पर उसमें करंट आने की बात सामने आई, जिससे परिवार में दहशत फैल गई। इसके बाद पीड़ित ने कस्टमर केयर पर शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। यहां तक कि मैनेजर से संपर्क करने पर भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला। पीड़ित का आरोप है कि फर्जी वेबसाइट के माध्यम से 51,800 रुपये की धोखाधड़ी की गई और खराब एसी लगाकर ठगी की गई। जब स्थानीय पुलिस ने प्रारंभ में रिपोर्ट दर्ज नहीं की, तो उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

न्यायालय के आदेश पर अब दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिना एचएसआरपी वाले वाहनों को प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं, कटेगा चालान

कानपुर। अब बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) वाले वाहनों को सड़कों पर चलाना आसान नहीं होगा। 15 अप्रैल से ऐसे वाहनों को प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) जारी नहीं किया जाएगा। इनके चालान काटे जाएंगे। परिवहन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं।

पीयूसीसी पोर्टल पर नई तकनीकी प्रणाली लागू की गई है। इसके तहत बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों का सिस्टम खुद ही पीयूसी बनाने से इन्कार कर देगा। अब किसी तरह की जुगाड़ या हाथ से राहत की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। बिना पीयूसी वाहन चलाने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान किए जाएंगे। जिन वाहनों पर एचएसआरपी नहीं है उन पर सीधी कार्रवाई होगी। इसके बाद प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं बनेगा।

एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह ने बताया कि यह फैसला भारत सरकार के निर्देशों के तहत लिया गया है। नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) ने पोर्टल में बदलाव किए हैं। 15 अप्रैल के बाद बिना एचएसआरपी वाले वाहनों का पीयूसी बन ही नहीं पाएगा। हालांकि, जिन वाहन निर्माता कंपनियों के कुछ मॉडलों के लिए अभी एचएसआरपी उपलब्ध नहीं है उन्हें अस्थायी छूट दी गई है। परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों से तत्काल एचएसआरपी लगवाने की अपील की है।

पांच साल से फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, 101 मोबाइल की चोरी में था वांछित

वाराणसी, एजेंसी। कैंट थाना पुलिस ने पांच साल से फरार 25 हजार के इनामिया श्रवण महतो उर्फ मोकामा को सुबह 7.30 बजे अंबेडकर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी पर संगठित गिरोह के साथ मिलकर 101 मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप है। श्रवण महतो उर्फ मोकामा निवासी बाबूपुर थाना तीन पहाड़ जिला साहेबगंज झारखंड का है।

2021 में कैंट थाने में दर्ज मोबाइल चोरी के मामले में उसका नाम सामने आया था। तब से भागा हुआ था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि आरोपी चोरी किए गए मोबाइल फोन बाजार में बेचने का काम करता था। मामले में न्यायालय ने वारंट जारी किया था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा गया था।

शादीशुदा युवक पर युवती को भगाने का आरोप, आरोपी हिरासत में

वाराणसी, एजेंसी। शिवपुर थाना क्षेत्र निवासी शादीशुदा व्यक्ति पर 21 साल की युवती को बातों में उलझाकर साथ ले जाने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। खोजबीन के बाद आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया। पिता के अनुसार उनकी बेटी को थाना क्षेत्र का रहने वाला विकास पटेल दो अप्रैल को पांडेयपुर के एक कॉलेज के बाहर से साथ लेकर चला गया। विकास शादीशुदा है और एक बच्चा भी है। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने अपनी पहली शादी की बात छिपाकर बेटी को भरोसे में लिया। थाना प्रभारी अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अवैध कोचिंग और स्कूलों पर होगी कार्रवाई

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने डीआइओएस, बीएसए और बीईओ को पत्र लिखकर अमान्य विद्यालयों के खिलाफ 18 अप्रैल तक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि जांच के दौरान निजी कोचिंग में संलग्न शिक्षकों की भी जांच कर कार्रवाई करें। रिपोर्ट भी देने को कहा है।

जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिषद की विनियमावली और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय की स्थापना और संचालन प्रतिबंधित है। जिले में ऐसे संस्थानों को चिह्नित करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग का सहयोग लिया गया है। बीएसए से बीईओ को अवैध संस्थानों को चिह्नित कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। जल्द ही इसकी सूची बोर्ड को उपलब्ध कराई जाएगी। पिछले साल 25 संस्थानों पर कार्रवाई हुई थी।

पागल कुत्ते ने उमरहा, खानपुर में पांच लोगों को काटा, एक गंभीर

वाराणसी, एजेंसी। विकासखंड के ग्राम पंचायत उमरहा और खानपुर में बृहस्पतिवार सुबह एक पागल कुत्ते ने पांच लोगों को काट लिया। एक की हालत गंभीर है। क्षेत्र में लोगों में डर बना हुआ है। उमरहा निवासी नंदलाल राजभर के कमरे में एक पागल कुत्ता घुसकर बैठ गया। जब नंदलाल कमरे में पहुंचे और कुत्ते को बाहर भगाने का प्रयास किया तभी उसने उन पर झपट्टा मारकर चेहरे को बुरी तरह नोच लिया। वह चिल्लाने लगे। लोग मौके पर पहुंचे तभी कुत्ते ने वहां से निकलकर गांव की निधि पाण्डेय (19) को भी काट लिया।

30 जून तक बनकर तैयार होगी दालमंडी की सड़क, 60 मकान तोड़े जा चुके; अब तक 47 मकानों की रजिस्ट्री

वाराणसी, एजेंसी। मियाद 17 अक्तूबर को ही पूरी हो गई थी। 29 अक्तूबर से यहां तोड़फोड़ शुरू की गई। चौक थाने में खुले लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अस्थायी कैंप कार्यालय पर लोग मुआवजे के लिए अपने कागजात जमा कर रहे हैं। जिनका वेरिफिकेशन के बाद मुआवजा दिया जा रहा है। लोगों को एक निर्धारित अवधि का समय दिया गया था।

लोगों से अपील की जा रही है कि जल्द से जल्द मुआवजे के लिए अपने कागजात जमा करवा दें, क्योंकि यदि लोग नहीं पहुंचते हैं, तो फिर अधिग्रहण 2013 नियमावली का सहारा लेना होगा। 44 हजार वर्ग मीटर निर्धारित सर्किल रेट से दोगुना यानी 88 हजार वर्ग मीटर के आधार पर अपनी संपत्ति का आकलन करवाकर मुआवजे की धनराशि दी गई थी।

शंकाओं का समाधान करने के बाद शुरू की गई तोड़फोड़: अधिकारियों का कहना है कि व्यापारियों और स्थानीय लोगों को जो भी शंकाएं हैं, उनके समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारी, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग और नगर निगम की टीम को संयुक्त रूप से ऑफिस बनाकर चौक परिसर में ही बैठाया गया है। कैंप कार्यालय में मौजूद राजस्व अधिकारियों का कहना है कि 15 वर्ग मीटर की एक दुकान में तीन हिस्सेदारों

के शामिल होने पर, उनकी रजिस्ट्री के कागजात सर्वे में सही पाए जाने पर मुआवजा दिया जा रहा है। अब तक लोग अलग-अलग तरह के विवादों में उलझे हुए हैं।

कई लोगों के पास संपत्ति का कोई प्रमाण नहीं: किसी के पास मकान के कागजात नहीं हैं, तो किसी के पास अपनी संपत्ति का कोई प्रमाण नहीं है। किरायेदारी विवाद भी सबसे बड़ी वजह है, जिसकी वजह से मकान मालिक खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में किरायेदार और मकान मालिक के आपसी समन्वय से बातचीत करके ही बीच का रास्ता निकाला जा सकता है, लेकिन उसके लिए दोनों पक्षों को पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग से मिलना होगा।

एक नजर में योजना

दालमंडी चौड़ीकरण योजना में 17.4 मीटर में सड़क, फुटपाथ और नाली का निर्माण होगा।

दोनों तरफ 10 मीटर की सड़क और 3.2-3.2 मीटर का फुटपाथ होगा।

लगभग आधा मीटर की नाली बनाई जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक वायरिंग, केबल, बिजली, स्ट्रीट लाइट–सब कुछ अंडरग्राउंड ही होगा।

225 करोड़ की लागत से इस सड़क के चौड़ीकरण का काम होगा।

बेनिया बाग से चौक यानी विश्वनाथ मंदिर के रास्ते को कनेक्ट करने वाली सड़क चौड़ी होनी है।

सड़क की कुल लंबाई 650 मीटर है।

चौड़ीकरण में 187 मकानों और दुकानों पर कार्रवाई होगी।

वर्जनदालमंडी की 650 मीटर की सड़क निर्माण कार्य को 30 जून तक पूरा करा देंगे। इसके पहले तोड़फोड़ के साथ मलबा हटवाने का काम जारी रहेगा। पहले चरण में रजिस्ट्री कराई जा रही है।

केके सिंह, अधिशासी अभियंता, पीडब्ल्यूडी

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ एएसपी का प्रदर्शन, एनसीईआरटी किताबें अनिवार्य करने की मांग

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ ही निजी स्कूलों की मनमानी और अभिभावकों के आर्थिक शोषण का मुद्दा तूल पकड़ने लगा है। शनिवार को नगीना में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने निजी स्कूलों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। जिला संयोजक परवेज पाशी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए परवेज पाशी ने शिक्षा के बढ़ते बाजारीकरण पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी स्कूल शिक्षा का केंद्र न रहकर मुनाफाखोरी का माध्यम बन गए हैं। कार्यकताओं ने कहा कि स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को चिन्हित दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मजबूर करते हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कमीशन के लालच में हर साल किताबें बदल दी जाती हैं, जिससे पुरानी किताबों का उपयोग संभव नहीं हो पाता और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। निजी प्रकाशकों की किताबों के दाम भी कई गुना अधिक बताए गए, जिसे गरीब और

मध्यम वर्ग के लिए गंभीर समस्या बताया गया। पार्टी ने मांग की कि शासन के पुराने आदेशों का सख्ती से पालन कराया जाए और सभी निजी स्कूलों में केवल एनसीईआरटी की किताबें ही अनिवार्य की जाएं। परवेज पाशी ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो जिलेभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने उपजिलाधिकारी विजय शंकर मिश्र को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मो. असलम अंसारी, नदीम अहमद, मो. जीशान, मो. हुमायूं, नौशाद अहमद, मो. यूसुफ, वसीम, मिर्जा अजहर, मो. राशिद और जावेद अनवर शामिल रहे। यह विरोध प्रदर्शन सिर्फ एक राजनीतिक पहल नहीं, बल्कि उन हजारों अभिभावकों की आवाज है जो हर साल बढ़ती फीस और शिक्षा खर्चों के दबाव से जूझते हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन की कार्रवाई जमीनी स्तर पर असर दिखाती है या मामला कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रहता है।

एबीईएस का भव्य दीक्षांत समारोह, 1600+ छात्रों को डिग्री, 60 लाख का पैकेज बना आकर्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ए.बी.ई.एस. कॉलेज में शनिवार को 18वां डिग्री वितरण एवं पुरस्कार समारोह उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें 1600 से अधिक विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। समारोह में 60 लाख रुपये वार्षिक का सर्वोच्च पैकेज विशेष आकर्षण रहा। मुख्य अतिथि एकेटीयू लखनऊ के कुलपति जे. पी. पांडेय और विशिष्ट अतिथि एडोबी सिस्टम्स के डायरेक्टर सौरभ अग्रवाल रहे। इस अवसर पर नीरज गोयल, शाश्वत गोयल और अभय अग्रवाल की उपस्थिति रही। निदेशक आलोक चौहान ने बताया कि संस्थान ने 25 वर्षों में 25 हजार से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षित किया है और वर्तमान सत्र में स्वायत्त दर्जा प्राप्त कर उद्योगों के अनुरूप नए पाठ्यक्रम लागू किए गए हैं। वर्ष 2024-25 में 426 कंपनियों से 1875 प्लेसमेंट ऑफर मिले। समारोह में 1153 बीटेक, 2 एमटेक, 260 एमबीए और 207 एमसीए विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं, जबकि कई मेधावी विद्यार्थियों को पदक से सम्मानित किया गया। ह्लपथ प्रदर्शकह्व पुरस्कार संयोगिता सिंह और अंशुमन सिंह को प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन आलोक चौहान और अजय सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ, जिसमें नितिका जैन, सोनिया जेटली, अमृता ज्योति और मीडिया कोऑर्डिनेटर तरुण अरोड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कारखाना अधिनियम 1948 : नोएडा की जीवा डिजाईन कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के अनुपालन मे जीवा डिजाईन में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिस से कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-A के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए और मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है।

लखनऊ में प्रतिभा सम्मान समारोह, 251 प्रतिभाओं को मिला सम्मान

लखनऊ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ एवं मेरी आवाज सुनो फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पंडित आरडी शर्मा के सानिध्य में उर्दू अकादमी सभागार गोमती नगर लखनऊ में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा, कला, चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाली 251 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर महिला आयोग की सदस्य डॉ प्रियंका मोर्या ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त अपराध अन्वेषण विभाग के आयुक्त डॉ अखिलेश निगम (भारतीय पुलिस सेवा) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

समारोह का प्रभावी एवं सुसंगठित संचालन कार्यक्रम के आयोजक एवं संयोजक, भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव पंडित आदेश फौजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंच से वक्ताओं ने समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं की सराहना करते हुए उनके कार्यों को प्रेरणादायक बताया और उन्हें सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर अधिवक्ता गौरव तिवारी, प्रदीप शर्मा, दीपक शर्मा, योगेश गोस्वामी, कवियत्री वंदना, रूचि, छाया, डॉ रीना शर्मा, डॉ रेनू शरण, माधुरी शर्मा, ममता, आशा त्रिपाठी, डॉ राधा बिष्ट, खुर्शीद अहमद, सुषमा भारती सिंह, मोहित सूद, राजकुमार चड्ढा, रामानंद, प्रियांशु सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उनका सम्मान करना तथा अन्य लोगों को भी समाजहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर पूरे सभागार में उत्साह और गौरव का वातावरण देखने को मिला।

ऑनलाइन गेमिंग में रकम डूबने पर छात्र ने लगाया फंदा, दोस्त से उधार लिए थे पैसे, प्रताड़ित करने का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। पिता दिनेश सिंह ने बताया कि बेटा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के साथ ट्यूशन पढ़ाता था। कुछ समय से वह परेशान था। पूछने पर भी उसने कुछ नहीं बताया था।

विशाल के पिता दिनेश सिंह ने बताया कि बेटा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के साथ ट्यूशन पढ़ाता था। कुछ समय से वह परेशान था। पूछने पर भी उसने कुछ नहीं बताया था। बुधवार दोपहर दादी पूनम मकान की दूसरी मंजिल पर गई तो विशाल को कमरे की रोशनदान से गमछे के सहारे लटका देखा। उनकी चीख सुन मां संगीता और अन्य घरवाले भी आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लिया। विशाल का एक भाई और एक बहन है। दोस्त से उधार लिए थे 30 हजार रुपये- दिनेश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर बेटे का दोस्त घर आया

था। उसने बताया कि विशाल ने इलाके के रहने वाले दोस्त से 30 हजार रुपये उधार लिए थे। वह विशाल को प्रताड़ित कर रहा था। इससे तंग आकर विशाल ने जान दे दी। मानकनगर थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने बताया कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। विशाल ऑनलाइन गेम खेलता था। इस कारण वह कर्ज में डूब गया था। तनाव में आकर उसने जान दे दी। घरवालों ने कोई तहरीर नहीं दी है। क्रिकेट खेलने का था शौकीन – पिता ने बताया कि विशाल क्रिकेट खेलने का शौकीन था। वह लेफ्ट आर्म का बॉलर था। अंडर-16 में ट्रायल दे चुका था। अंतिम चरण में रह गया था। कोरोना काल के बाद उसका मन क्रिकेट से हट गया।

पहले भी लोगों ने दी है जान

- 21 अगस्त 2025 को गोमतीनगर विस्तार में इंटर के छात्र ने ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण फंदा लगा लिया था।
- 23 जनवरी 2024 को बंधरा में गेम खेलने में दस लाख का कर्ज होने पर दसवीं के छात्र ने मिट्टी का तेल डालकर आग लगा ली थी।
- 07 फरवरी 2024 को गेम में 14 लाख हारने पर निजी कंपनी के कर्मचारी ने फंदा लगा लिया था।
- 11 दिसंबर 2024 को गोमतीनगर में ऑनलाइन गेम में 20 हजार रुपये का कर्ज चढ़ने पर छात्र ने फंदा लगा लिया था।

मोबाइल फ्री जोन बनाएं- जेसीपी एलओ बबलू कुमार का कहना है कि बच्चों को मोबाइल की लत से छुटकारा पाने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें समझाएं कि वह ऑनलाइन गेम न खेलें। बच्चों का रुझान आउटडोर गेम की ओर बढ़ाएं। कोशिश करें कि वे मोबाइल का इस्तेमाल कम करें। उन्हें पिता नहीं एक दोस्त बनकर समझाएं।

मोहनलालगंज में 20 घंटे तक बना रहा संकट
बुधवार की रात तेज आंधी और बारिश से इलाके में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। भौदरी, गनियार, जंगलीखेड़ा, मरुई समेत कई गांवों के लोगों को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान गनियार के पास बिजली के तारों पर पेड़ की टहनियां गिरने से फॉल्ट हो गया, जिसे ठीक होने में करीब 20 घंटे का समय लगा।

अवैध टिकटिंग पर कसा शिकंजा, 153 बच्चों का किया रेस्क्यू; जिसमें 84 लड़के और 69 लड़कियां

आगरी, एजेंसी। आगरा आरपीएफ ने अवैध टिकटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 संदिग्ध आईडी ब्लॉक कर टिकट जब्त किए। साथ ही ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 153 बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर सराहनीय काम किया। आगरा आरपीएफ ने दो अलग–अलग ऑपरेशन चलाए, जिसमें ऑपरेशन उपलब्ध में अवैध टिकटिंग पर शिकंजा कसते हुए 10 संदिग्ध आईडी को ब्लॉक कर दिया। वहीं, ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 153 बच्चों का रेस्क्यू किया गया। रेलवे की जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी राज मोहन के निर्देशन में ऑपरेशन उपलब्ध व ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते चलाया गया। ऑपरेशन उपलब्ध के तहत 1.26 लाख रुपये मूल्य के 40 भविष्य यात्रा टिकट जब्त किए गए, 3,680 रुपये का एक पिछली यात्रा टिकट बरामद हुआ और 10 संदिग्ध आईडी ब्लॉक की गई। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत रेलवे परिसरों से कुल 153 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया, जिनमें 84 लड़के और 69 लड़कियां शामिल हैं।

नौवीं की छात्रा से दुष्कर्म मामले में दंपती समेत सात और आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर, एजेंसी। चौरीचौरा पुलिस ने कक्षा नौवीं की छात्रा से दुष्कर्म के मामले में बृहस्पतिवार को दंपती समेत सात और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार की धारा बढ़ाते हुए होटल मधुबन को भी सील कर दिया है। एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपियों की पहचान कुशीनगर के तरयासुजान बाघाचौर निवासी दिहाड़ी मजदूर रोहित साहनी, उसकी पत्नी निशा चौहान उर्फ राधिका (हाल पता मालवीय चौक, रुस्तमपुर), संतकबीरनगर के धनघटा निवासी रिया शुक्ला उर्फ नीतू (हाल पता आवास विकास कॉलोनी कुनराघाट कैंट), देवरिया के रुद्रपुर पांडेय टोला निवासी एमबीए छात्र मानवेंद्र पांडेय उर्फ विनीत उर्फ बाबा (हाल पता महादेवपुरम इंजीनियरिंग कॉलेज कैंट), झंगहा के गहिरा शाही टोला निवासी मीट शॉप चलाने वाले आकाश गौड़, चौरीचौरा के फुटहवा इनार निवासी ऑटो चालक हरमेंद्र जायसवाल उर्फ टिन्नू, तरकुलहा मोड़ निवासी मीट शॉप संचालक अजय निषाद के रूप में हुई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सेवायोजक व कारखाना प्रबंधन की बैठक संपन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में औद्योगिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से सेक्टर-27 स्थित सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सेवायोजकों एवं कारखाना प्रबंधकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की सभी गाइडलाइंस का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें प्रत्येक कंपनी के नोटिस बोर्ड पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी श्रमिक को अनावश्यक रूप से सेवा से नहीं हटाया जाएगा। ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से किया जाएगा और रविवार को कार्य कराने पर भी दोगुना भुगतान देना होगा। सभी श्रमिकों को साप्ताहिक अवकाश प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि श्रमिकों का वेतन प्रत्येक माह की 10 तारीख तक उनके बैंक खातों में जमा किया जाए और वेतन पर्ची उपलब्ध कराई जाए। साथ ही नियमानुसार बोनस का भुगतान 30 नवंबर तक सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक कारखाने में यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति का गठन किया जाए, जिसकी अध्यक्ष महिला होगी तथा शिकायत पेटी भी स्थापित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी आंदोलन में शामिल श्रमिकों के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। शासन द्वारा घोषित वेतन वृद्धि को प्रभावी तिथि से लागू किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

साथ ही कारखानों के मुख्य द्वार पर सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। अंत में जिलाधिकारी ने श्रमिकों से अपील की कि वे अनुशासन बनाए रखें और अफवाहों से दूर रहकर केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

गांजा तस्कर दबोचा, 1.21 किग्रा गांजा बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान के दौरान ब्रजनाथपुर शुगर मिल मार्ग से एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 1.21 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। थाना देहात प्रभारी प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार रात पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति प्लास्टिक के थैले में गांजा लेकर ब्रजनाथपुर शुगर मिल मार्ग पर खड़ा है और उसे बेचने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 1.21 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शराफत उर्फ इमरान निवासी मोहल्ला कोटला मेवातियान, कोतवाली नगर क्षेत्र बताया। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह गांजा बेचकर अपना जीवन यापन करता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। साथ ही पुलिस अब आरोपी से जुड़े अन्य तस्करों और नेटवर्क की तलाश में जुटी हुई है, ताकि इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सके।

स्टूडेंट्स के झगड़ों से परेशान सोसाइटीवासियों की बैठक, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-19 स्थित गौड़ सिटी सोसाइटी में लगातार हो रहे स्टूडेंट्स के झगड़ों और उत्पात से परेशान सोसाइटीवासियों ने शनिवार को एक अहम बैठक आयोजित की। बैठक में बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर गहरी नाराजगी जताते हुए समस्याओं के समाधान की मांग उठाई।

सोसाइटी निवासी सरवन अवाना ने बताया कि सोसाइटी की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। इसी का परिणाम है कि यहां रहने वाले कुछ स्टूडेंट्स और असामाजिक तत्व आए दिन आपस में झगड़ा करते हैं और माहौल खराब करते हैं। इन घटनाओं से सोसाइटी में रहने वाले परिवारों में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है। बैठक में यह भी मुद्दा उठाया गया कि सोसाइटी में लागू नियमों की कोई स्पष्ट जानकारी कहीं प्रदर्शित नहीं की गई है। न तो नियमों का बोर्ड लगा है और न ही निवासियों को उनकी जानकारी दी गई है, जिससे अव्यवस्था और बढ़ रही है। लोगों ने कहा कि समस्याओं को लेकर कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है।

बैठक की सूचना मिलने पर सिक्योरिटी प्रमुख सरवन सिसोदिया मौके पर पहुंचे। इस दौरान सोसाइटीवासियों ने उन्हें विभिन्न समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। सिक्योरिटी प्रमुख ने लोगों को आश्वस्त किया कि जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा।

बैठक में संदीप पुंडीर, योगेश भाटी, मोहित शर्मा, राजेंद्र सिंह, जगपाल, सोनू, जगवीर सहित अनेक निवासी उपस्थित रहे।

आईटीएस मोहन नगर गाजियाबाद में समग्र 2026 टेक्नो सांस्कृतिक महोत्सव का भव्य आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर स्थित आईटी विभाग (एमसीए) द्वारा अंतरमहाविद्यालयीय टेक्नो सांस्कृतिक महोत्सव समग्र 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के 75 से अधिक महाविद्यालयों से 600 से ज्यादा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन विद्यार्थियों की तकनीकी, रचनात्मक और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच साबित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवि डॉ. कमलेश शर्मा, निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय तथा आयोजन समिति के सदस्य सौरभ सक्सेना, पूजा धार और स्मिता कंसल द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। अर्पित चड्ढा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को टीम भावना के साथ प्रतियोगिताओं में

भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। डॉ. सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में संवाद कौशल, सहयोग की भावना और चुनौतियों का सामना करने का साहस पैदा करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. कमलेश शर्मा ने संस्थान की सराहना करते हुए अपनी देशभक्ति कविता राम हैं कितने और प्रमाण दें का भावपूर्ण पाठ किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। महोत्सव के अंतर्गत 12 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें संगणक प्रोग्रामिंग, कलन विधि निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी प्रश्नोत्तरी, मॉडल प्रदर्शनी, बिना अग्नि भोजन निर्माण, लघु वीडियो निर्माण, डिजिटल पोस्टर निर्माण, अंध कोड लेखन, एकल नृत्य, नवप्रवर्तन प्रस्तुति, कथा वाचन और एकल गायन शामिल रहे। प्रतिभागियों ने इन प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और नवाचार का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अंत में विजेताओं को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सह-संयोजिका स्मिता कंसल ने सभी का आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

50 बीघा से अधिक गेहूं की फसल जली, किसानों को लाखों का नुकसान

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव फलैदा, मारहरा और आकलपुर में शनिवार को गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग लगने से 50 बीघा से अधिक फसल जलकर राख हो गई। इस घटना से किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है, जिससे उनमें भारी आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार गांव मारहरा में दोपहर के समय खेतों के बीच से गुजर रही बिजली लाइन से निकली चिंगारी के कारण गेहूं की फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में अशोक, ज्ञान सिंह, प्रीतम, नरेंद्र और जयकेश निवासी कलूपुरा सहित कई किसानों की लगभग 40 बीघा फसल जलकर नष्ट हो गई। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टरों की मदद से आसपास की फसल जोतकर किसी तरह आग पर काबू पाया। किसानों का आरोप है कि सूचना देने के करीब दो घंटे बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची, जिससे नुकसान और बढ़ गया। उधर गांव फलैदा में भी कमल सिंह, सुभाष और धर्मवीर की लगभग 16 बीघा गेहूं की तैयार फसल अज्ञात कारणों से जलकर राख हो गई। एक ही दिन में अलग अलग स्थानों पर हुई इन घटनाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पीड़ित किसानों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आग से हुई क्षति का शीघ्र आकलन कराया जाए और उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि वे अपने नुकसान की भरपाई कर सकें।

घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो के चारों टायर चोरी, सीसीटीवी केबल काटकर वारदात

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर स्थित वार्ड संख्या 15 में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए घर के बाहर खड़ी नई स्कॉर्पियो गाड़ी के चारों टायर चोरी कर लिए। इतना ही नहीं, चोरी से पहले बदमाशों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की केबल भी काट दी, ताकि उनकी हरकत रिकॉर्ड न हो सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड संख्या 15 निवासी शहाबुद्दीन अपने परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि वे 24 मार्च को नई स्कॉर्पियो गाड़ी खरीदकर लाए थे। शुक्रवार रात उन्होंने रोजाना की तरह गाड़ी को घर के बाहर खड़ा कर दिया। घर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। आरोप है कि आधी रात के बाद अज्ञात चोरों ने पहले सीसीटीवी कैमरे की केबल काट दी और फिर आराम से गाड़ी के चारों टायर खोलकर अपने साथ ले गए। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो गाड़ी बिना टायरों के खड़ी देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। पीड़ित ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित द्वारा तहरीर दे दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सिंभावली में रालोद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न, किसानों के मुद्दों पर जोर

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली क्षेत्र के राठी फार्म हाउस, हरोड़ा मोड़ पर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने और किसान हितों के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव शिवकुमार त्यागी ने की, जबकि संचालन कुलदीप राठी द्वारा किया गया। अपने संबोधन में त्रिलोक त्यागी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और रालोद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अजीत सिंह के किसान मजदूर हित में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने हमेशा किसानों और श्रमिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और उनके विकास को प्राथमिकता दी। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय लोकदल सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और चौधरी चरण सिंह के सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को कम करने तथा पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही, उन्होंने किसानों को समय पर गन्ना भुगतान दिलाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। बैठक में अमरपाल सिंह प्रधान, कुलदीप सारस्वत, देवदास कश्यप, राजवीर सिंह, अमित त्यागी, अभिषेक त्यागी, राकेश त्यागी, राहुल पवार, कुलदीप राठी, मोहित तेवतिया, मनजीत चौधरी, धर्मपाल बाबू, हिमांशु दिग्विजय सिंह, सलीम चौधरी, ओकेंद्र ओलख, सुभान, श्याम सिंह, आरिफ अली, हरीश त्यागी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईएमएस गाजियाबाद में स्टार्ट अप कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन, युवाओं को उद्यमिता की ओर किया प्रेरित

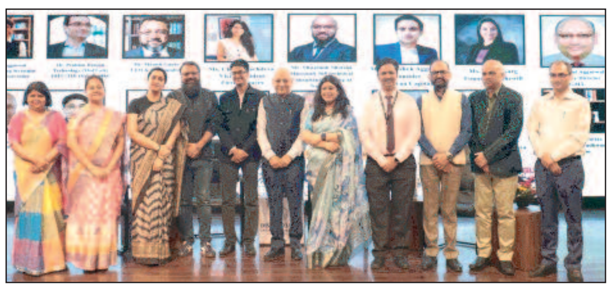

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद में एंटरप्रेन्योरशिप सेल (ई सेल) एवं गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2026 का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के जनरल सेक्रेटरी राकेश छारिया, मुख्य अतिथि प्रभात रंजन (मेड टेक विशेषज्ञ), मनीष गुप्ता (सीईओ एवं सह संस्थापक, हैलीक), अशोक अग्रवाल (पर्सनल ब्रांडिंग विशेषज्ञ), संस्थान की निदेशक जसकिरण कौर एवं अकादमिक डीन गीति शर्मा द्वारा सरस्वती प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। इस वर्ष कॉन्क्लेव की थीम इनोवेट, इम्प्लीमेंट, इन्फ्लुएंस रही। इसमें दिल्ली, लखीमपुर खीरी, उत्तराखंड, सुल्तानपुर, गाजियाबाद, लखनऊ, बरेली, नोएडा, बिहार और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से 350 से अधिक प्रतिभागियों एवं उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर ई सेल की वार्षिक स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया। कॉन्क्लेव को चार प्रमुख गतिविधियों बिजनेस प्लान (पिच योर प्लान), एन वेंचर, बिज्जनीति एवं स्टार्टअप एक्सपो में विभाजित किया गया। स्टार्टअप क्लिनिक में प्रतिभागियों ने अपने व्यावसायिक विचार एवं समाधान प्रस्तुत किए, जबकि स्टार्टअप एक्सपो में पंजीकृत स्टार्टअप्स का प्रदर्शन किया गया। बिज्जनीति के अंतर्गत प्रतिभागियों ने वर्चुअल उत्पाद एवं मुद्रा के माध्यम से अपनी व्यावसायिक रणनीतियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने छात्रों को नवाचार एवं उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो अपने विचारों पर विश्वास रखते हैं और निरंतर प्रयास करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनौतियां व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं और असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। कॉन्क्लेव में पैनल डिस्कशन सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसका विषय स्टार्टअप इकोसिस्टमः व्हिच एनेबल्स रहा। इसमें चेतन सचदेवा (वाइस प्रेसिडेंट, फर्स्ट पार्टनर), श्वेतांक शर्मा (माइक्रोसॉफ्ट टेक्निकल कंसलटेंट), राशि गर्ग (संस्थापक, शी विल) एवं अभिषेक अग्रवाल (संस्थापक, ग्रीवा कैपिटल) ने अपने विचार साझा किए। संस्थान की निदेशक जसकिरण कौर ने कहा कि आज का युवा केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बन सकता है। सही दिशा, ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ हर छात्र एक सफल उद्यमी बन सकता है। अतिथियों ने स्टार्टअप की सफलता में मार्केटिंग और टेक्नोलॉजी के संतुलित ज्ञान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए छात्रों को इस दिशा में सजग रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम को स्टार्टअप इंडिया, वाधवानी फाउंडेशन, इमामी स्मार्ट एंड हैंडसम, माइक्रोमैटिक ग्राइंडिंग, शी विल, गाजियाबाद प्रिसिजन प्रोडक्ट्स, टोस्टमास्टर्स, समराइज, सीवी मीडिया एवं टिंगली सहित कई प्रतिष्ठित संस्थाओं और कंपनियों का सहयोग प्राप्त हुआ। समापन समारोह में गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन से राहुल अग्रवाल ने विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सुरभि जौहरी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

जिलाधिकारी ने ली बैठक, मुख्यमंत्री के आगमन व रोजगार मेले की तैयारियों की समीक्षा

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्रीय मंत्री व रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी के प्रस्तावित आगमन और वृहद रोजगार मेले की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने महत्वपूर्ण बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री का 13 अप्रैल 2026 को जनपद में आगमन प्रस्तावित है। इस दौरान वह वृहद रोजगार मेले में युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। मेरठ रोड स्थित नुमाइश मैदान में आयोजित होने वाली जनसभा और रोजगार मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने न्यू सभागार में बैठक की। बैठक में व्यवस्थाओं को लेकर बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री का आगमन जनपद के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर है। रोजगार मेला युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनेगा, इसलिए सभी व्यवस्थाएं शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करें तथा स्टॉल, परिवहन और अन्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

इसके साथ ही स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कमल किशोर देशमुख, अपर जिलाधिकारी वित्त गजेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने मेले के लिए प्रस्तावित स्थल की तैयारियों की जानकारी दी, जबकि अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि भाग लेंगे, जहां हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दें। प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के स्वागत की भव्य तैयारियां की जा रही हैं तथा सभी विभागों को पूर्ण रूप से सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ, 12 राज्यों की 28 टीमों ने लिया भाग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में शनिवार से पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को समर्पित दो दिवसीय अखिल भारतीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस प्रतियोगिता में देश के 12 राज्यों की 28 महिला टीमें भाग ले रही हैं, जिससे आयोजन में प्रतिस्पर्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है। उद्घाटन अवसर पर सांसद ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि बेटियों के सम्मान में इस प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि कबड्डी ग्रामीण क्षेत्र का प्रमुख खेल है, जिसके माध्यम से किसान और सामान्य वर्ग की बेटियां आगे बढ़कर समाज और देश का नाम रोशन कर रही हैं।

सांसद ने यह भी कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। आज हमारी बेटियां खेलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ खिलाड़ियों गुलशन कुमार रावत, दर्शन लाल शर्मा, सुधीर राठी और तेजपाल सिंह सहित कई खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. अरुण त्यागी ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह एवं पगड़ी भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन गुलशन कुमार रावत ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, सहकारी गन्ना समिति अध्यक्ष राजन चौधरी, रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, अमरजीत सिंह बिड्डी, पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, विद्यालय संचालक अखिलेश द्विवेदी सहित नगर के अनेक गणमान्य लोग, खिलाड़ी एवं कोच उपस्थित रहे।

संपादकीय

इस्लामाबाद की कूटनीतिः सीजफायर के साए में छिपा वैश्विक शक्ति संतुलन

11 अप्रैल 2026 को इस्लामाबाद अचानक विश्व राजनीति का केंद्र बन गया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पाकिस्तान की राजधानी पहुंचना महज एक औपचारिक कूटनीतिक दौरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई परतों में छिपे रणनीतिक संकेत हैं। ईरान के साथ संभावित समझौते, मध्य पूर्व की अस्थिरता, और दक्षिण एशिया में बदलते समीकरण ये सभी इस एक मंच पर आकर मिलते दिखाई दे रहे हैं। आधिकारिक तौर पर यह बैठक सीजफायर को मजबूत करने के उद्देश्य से बताई जा रही है, लेकिन असल सवाल यह है कि क्या यह शांति का प्रयास है या शक्ति संतुलन का नया खेल?

इस्लामाबाद में चल रही बातचीत को केवल पाकिस्तान और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों के चश्मे से देखना एक बड़ी भूल होगी। इसके केंद्र में अमेरिका की रणनीति है, जो लंबे समय से मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में अपने प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। जेडी वेंस की मौजूदगी यह साफ संकेत देती है कि अमेरिका इस पूरे घटनाक्रम को केवल दूर से देखने वाला दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार है। ईरान के साथ संबंधों को लेकर अमेरिका की नीति हमेशा दोहरे दबाव की रही है एक ओर प्रतिबंध और दबाव, तो दूसरी ओर संवाद और समझौते की संभावनाएं। सीजफायर की बात अपने आप में सकारात्मक लगती है, लेकिन इतिहास बताता है कि ऐसे समझौते अक्सर अस्थायी राहत भर साबित होते हैं। असली चुनौती यह है कि क्या संबंधित देश अपनी अपनी रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को सीमित करने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान, जो लंबे समय से क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच अपनी भूमिका तलाश रहा है, इस मौके को अपने कूटनीतिक पुनर्संतुलन के रूप में देख सकता है। वहीं ईरान, जो पश्चिमी प्रतिबंधों और क्षेत्रीय दबावों से जूझ रहा है, इस मंच का उपयोग अपनी अंतरराष्ट्रीय वैधता को मजबूत करने के लिए कर सकता है। पर्दे के पीछे की राजनीति और भी जटिल है। अमेरिका के लिए यह बैठक केवल ईरान के साथ संभावित समझौते तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भी एक कोशिश है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने पाकिस्तान और ईरान दोनों के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत किया है। ऐसे में अमेरिका के लिए यह जरूरी हो गया है कि वह इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को फिर से स्थापित करे। जेडी वेंस का इस्लामाबाद दौरा इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है।

इसके साथ ही, यह भी समझना जरूरी है कि सीजफायर की बातचीत केवल सैन्य टकराव को रोकने तक सीमित नहीं होती। इसके जरिए व्यापार, ऊर्जा और क्षेत्रीय सहयोग के नए रास्ते भी खुल सकते हैं। ईरान के पास विशाल ऊर्जा संसाधन हैं, जबकि पाकिस्तान ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। यदि दोनों देशों के बीच समझौता होता है, तो यह आर्थिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। लेकिन यही वह बिंदु है जहां वैश्विक शक्तियों के हित टकराते हैं, क्योंकि ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण हमेशा से अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे बड़ा हथियार रहा है। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम बेहद महत्वपूर्ण है। दक्षिण एशिया में किसी भी प्रकार का शक्ति संतुलन सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा और कूटनीति को प्रभावित करता है। ऐसे में भारत को इस पूरे घटनाक्रम पर सतर्क नजर बनाए रखने की जरूरत है। क्षेत्रीय स्थिरता भारत के हित में है, लेकिन यदि यह संतुलन बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप से बनता है, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम जटिल हो सकते हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

सबसे ज्यादा पीड़ा पहुंचाता है, किसी हमदर्द का बेदर्द हो जाना।

~~~~~~~~~

©

विनय संकोची

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

सनत जैन

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वतः समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है।

यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैं। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास

मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

आस्था का बाजारीकरणः वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं'–यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है–विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक–मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है।

आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो?

मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है–जहाँ सब बराबर हैं।

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

ललित गर्ग

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मयार्दाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।
~~~~~~~~~

पहनें परिधान शरीर के हिसाब से

जिन महिलाओं का शरीर आनुपातिक नहीं हो, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस तरह के परिधान पहनकर शरीर के दोषों को छिपाया और गुणों को उभारा जा सकता है। जिन महिलाओं के शरीर में शारीरिक अनुपात सही नहीं है वे अपने शरीर पर पहनने वाले परिधान का तालमेल इस तरह बनाएँ-

छोटी व मोटी गर्दन होने पर-
ऐसी गर्दन पर गोल गले के परिधान न पहनकर %वी% आकार के गले के परिधान पहनें।

अधिक लंबी व पतली गर्दन होने पर-
ऐसी गर्दन पर गहरे गले के परिधान न पहनें इससे गर्दन और अधिक लंबी नजर आती है। कॉलर वाले गले के परिधान सुंदर लगते हैं। इससे लंबाई भी कम नजर आती है। आप हाईनेक और स्टैंड कॉली भी पहन सकती हैं।

भारी शरीर पर-
सूती, कोटा या अधिक कलफ वाले परिधान न पहनें। चुस्त परिधान या अधिक पतली साड़ी भी न पहनें, क्योंकि पतले परिधान मोटे व बेडोल शरीर का प्रदर्शन करते हैं। आप सिल्क, शिफॉन, जॉर्जेट, और बिना कलफ वाले कॉटन का उपयोग कर सकती हैं।

छोटा कद होने पर-
छोटे प्रिंट व खड़ी धारी वाले परिधान पहनें।

झुके हुए कंधे होने पर-
ऐसे शरीर पर कंधों की सिलाई थोड़ी पीछे रखने से परिधान फिट लगता है। स्वयं कंधे का नाप देकर परिधान बनवाएँ। परिधान का गला आकर्षक बनाकर भी झुके कंधों का दोष छिपाया जा सकता है।

मोटी बाँह होने पर-
अधिक मोटी बाँह पर स्लीवलेस परिधान शोभा नहीं देते। लंबी बाँह वाले या पफवाली बाँह के परिधान पहनने से वे आप पर खिलेंगे।

उभरा पेट होने पर-
ऐसे शरीर पर कभी भी चिपकने वाले परिधान न पहनें। खड़ी रेखाओं वाले परिधान पहनने से पेट कम नजर आता है। जहाँ तक हो सके परिधान के ऊपरी हिस्से, यानी गले को आकर्षक बनाएँ जिससे दूसरों का ध्यान आपके उभरे पेट पर न जाएँ।

गहनों की चमक पड़ न जाए फीकी

चमकदार गहने लगे सुंदर

गहनों के बगैर नारी की साज-सज्जा अधूरी है। नारी के गले, नाक, हाथ व पैर में कोई गहने न होना अशुभ माना जाता है। किसी भी पारिवारिक व सामाजिक त्योहार पर नारी को गहने पहनना ही पड़ते हैं।

गहनों की चमक नारी के सौंदर्य में अभिवृद्धि कर देती है। तभी तो गहनों से सजी-धजी नवविवाहिता किसी 'जन्नत की हूर' सी लगती है।

गहनों की चमक जब तक बरकरार रहती है, तब तक ही वे सुंदर लगते हैं। जैसे-जैसे इनकी चमक खोती जाती है, वैसे-वैसे इन पर कालापन छाने लगता है।

हर चीज का यदि सही तरीके से रखरखाव नहीं किया जाए तो वह खराब होती जाती है। उसी प्रकार गहनों की उचित साफ-सफाई व रखरखाव न करने पर इनकी चमक कम होती जाती है।

नियमित सफाई व अच्छी पैकिंग से खास मौकों पर पहने जाने वाले इन कीमती गहनों की उम्र बढ़ सकती है और इनकी वही चमक बरकरार रह सकती है, जो इन्हें खरीदते वक्त थी।

क्या कारण है चमक खोने का :

आमतौर पर गहनों में जमा मैल व गंदगी से इनकी चमक खो जाती है। किसी-किसी का पसीना ऐसा होता है जिससे गहने काले पड़ जाते हैं।

नमीयुक्त हवा में गहनों को खुला छोड़ देने से भी इनकी चमक प्रभावित होती है।

कैसे रखें चमक बरकरार :

- पानी को गुनगुना गरम करके उसमें कुछ देर सोने या चाँदी के गहनों को डालकर रखें।
- गहनों में जमा मैल को साफ करने के लिए उन्हें हल्के हाथों से टूथ ब्रश से रगड़ें।
- गहनों पर कभी भी परफ्यूम का छिड़काव न करें।
- अधिक समय तक चमक को बरकरार रखने के लिए उन्हें मुलायम कपड़े, रुई या पैक डिब्बी में रखें।

चंद्रकला

सामग्री : 200 ग्राम मैदा, 250 ग्राम खोआ, 1 किलो शक्कर, 20 ग्राम मिश्री, 8-10 बादाम, 15-20 पिस्ता, 4-5 छोटी इलायची, 1/4 चम्मच केशर, 2 चाँदी के वर्क, डेढ़ बड़े चम्मच तलने का घी।

विधि : बादाम-पिस्ता छीलकर महीन काट लें। केशर खूब महीन काट लें। इलायची चूर लें। मिश्री के चने की दाल के बराबर टुकड़े कर लें। खोआ कस लें। इसमें मेवा, मिश्री, इलायची व केशर मिला लें। इसके 8 हिस्से कर लें।

मैदे को घी देकर कड़ा सान लें। इसकी 16 लोई बना लें, प्रत्येक लोई को 3 इंच गोल पतली बेल लें। एक पूरी पर 1 हिस्सा मसाला रखकर दूसरी से ढँक दें व किनारों को उँगली से गूँथ लें।

शक्कर की एक तार चाशनी बना लें। घी गर्म कर मध्यम आँच पर चंद्रकला गुलाबी तल लें और कड़ाही से निकालकर तुरंत गर्म चाशनी में डालें। पलटते हुए 15-20 मिनट चाशनी में रखें। निकालकर वर्क लगा लें।

गर्मियों में धूप, धूल व पसीने के कारण त्वचा चिपचिपी-सी हो जाती है। ऐसे में त्वचा की उचित देखभाल के साथ ही आवश्यकता है मेकअप का अंदाज बदलने की। सर्दियों की अपेक्षा इस मौसम में कम मेकअप करना चाहिए। अपने चेहरे को नेचुरल लुक देने का प्रयास करें।

कैसा हो गर्मी में मेकअप का अंदाज

गर्मियों में धूप, धूल व पसीने के कारण त्वचा चिपचिपी-सी हो जाती है। ऐसे में त्वचा की उचित देखभाल के साथ ही आवश्यकता है मेकअप का अंदाज बदलने की। सर्दियों की अपेक्षा इस मौसम में कम मेकअप करना चाहिए। अपने चेहरे को नेचुरल लुक देने का प्रयास करें। यदि आपकी त्वचा बेदाग है तो फाउंडेशन का उपयोग बिलकुल न करें। चेहरे पर थोड़ा-सा लिक्विड मॉइश्चराइजर और बेबी पावडर लगा लें, इससे आपके चेहरे को 'ट्रांसल्यूसेंट' लुक मिलेगा।

रात के समय यदि आप किसी पार्टी में जा रही हैं तो चेहरे पर लिक्विड फाउंडेशन लगाना सबसे बेहतर है। यदि आपकी स्क्रीन बहुत ज्यादा ड्राय हो तो आप क्रीमयुक्त मॉइश्चराइजर का ही इस्तेमाल करें। मेकअप करते समय उसे अधिक न रगड़े। चाहे फाउंडेशन हो या ब्लशर- हमेशा हल्के हाथों से ही लगाएँ। किसी गीले स्पॉन्ज से भी इसे लगाया जा सकता है।

यदि आपको चेहरे के दाग-धब्बे व मुँहासे छिपाने हों तो फाउंडेशन या पावडर लगाने से पहले कंसीलर लगा लें। कंसीलर को किसी छोटे-से ब्रश से लगाएँ और फिर ऊपर से थोड़ा पावडर लगा लें। नेचुरल लुक के लिए लिपस्टिक के स्थान पर लिप-ग्लास लगाएँ। रात के समय चेहरे की रंगत को बढ़ाने के लिए लिपस्टिक को लिप ब्रश की मदद से ही लगाएँ ताकि ज्यादा देर तक रहे।

गर्मियों के मौसम में दिन के लिए लाइट ब्राउन, रोज, पिंक और रात के लिए ब्रांज, कोरल, कॉपर और बरगंडी कलर की लिपस्टिक का ही इस्तेमाल करें। इससे आपके चेहरे की सुंदरता और चमक दोगुनी हो जाएगी।

आँखों के लिए दिन में सिर्फ काजल लगाएँ। यदि चाहें तो जरा-सा आई शेडो भी लगा सकती हैं। ब्राउन और ग्रे आई शेडो आपके चेहरे को नेचुरल लुक देते हैं। रात के समय आप आई लाइनर लगा सकती हैं। मगर लगाने के बाद उसे स्पॉन्ज एप्लीकेटर से अच्छी तरह मिला लें।

इससे आपकी आँखें सुंदर दिखेंगी। रात के मैकअप में आईब्रोज के नीचे जरा-सा हाई-लाइटर लगा लें। इसके लिए आप व्हाइट या किसी भी लाइट-कलर के शेडो का इस्तेमाल कर सकती हैं। रात और दिन में मस्कारा अवश्य लगाएँ। मस्कारा लगाने से पहले आई-लैशेज को अच्छीतरह सुलझा लें जिससे वे एक-दूसरे से न चिपकें।

गालों पर हल्का-सा ब्लशर लगा लें। पावडर ब्लशर इस्तेमाल करने में सबसे आसान है। जो हमेशा मैकअप करने के बाद ही लगाया जाना चाहिए। ब्लशर को चिक बोन्स पर लगाएँ, फिर उसे बाहर की ओर अच्छी तरह से मिला लें। मिलाने के बाद देख लें कि कोई भी हिस्सा छूट न गया हो। सिर्फ उसी ब्लशर का इस्तेमाल करें जिसका रंग आपके चेहरे के रंग से मिलता-जुलता हो। परफ्यूम्स भी आपके मैकअप का ही एक हिस्सा है।

इस मौसम में इसकी खुशबू वाले परफ्यूम्स ही लगाने चाहिए। दिन के समय कोलोन लगाना बेहतर है। कपड़ों में लीफ-ग्रीन, ऑलीव-ग्रीन, लाइम-ग्रीन, लेमन येलो, क्रीम, लाइट ब्राउन, पिंक, टरक्वॉइस ब्लू और लाइट ब्लू कलर्स सबसे खूबसूरत लगते हैं। फ्लोरल प्रिंट्स, चेक्स, डॉट्स या लेस और एम्ब्रॉयडरी के कपड़े भी इस मौसम में अच्छे लगते हैं।

मैकअप को लेकर आप कई कलर्स का उपयोग कर सकती हैं,पर इसके लिए यह देखना जरूरी है कि आपके चेहरे पर कौन-सा रंग सूट करता है, इसलिए रंगों के चुनाव में थोड़ी-सी सावधानी बरतें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 3856

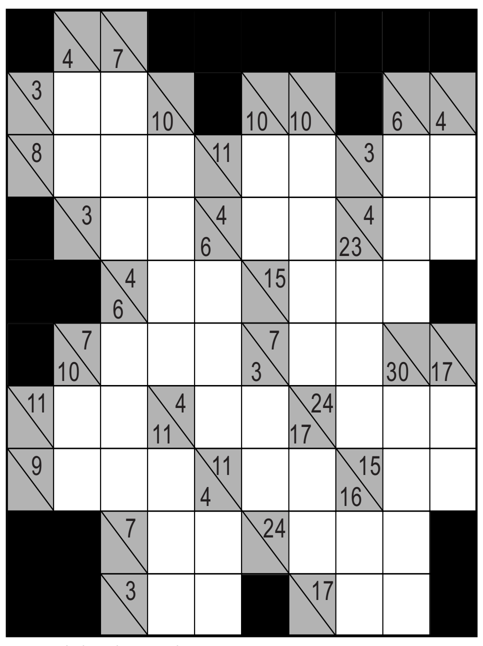

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

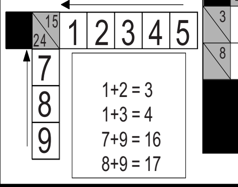

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3855 का हल

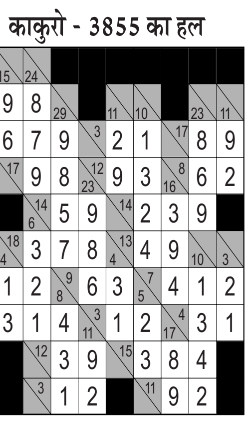

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा- 'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी- 'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा- 'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया- 'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी- 'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा- 'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3856

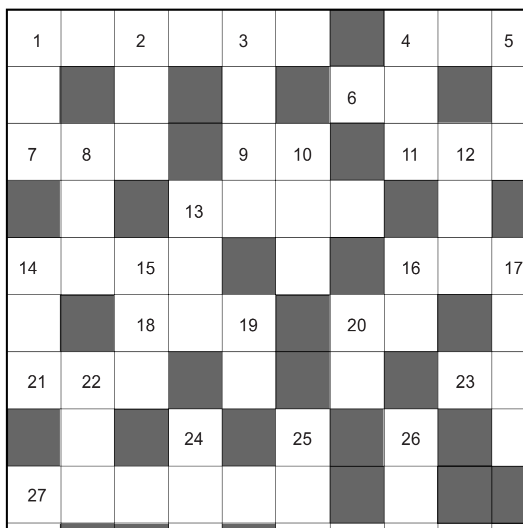

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 3855

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

सूडोकु -3856

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3855 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 3856

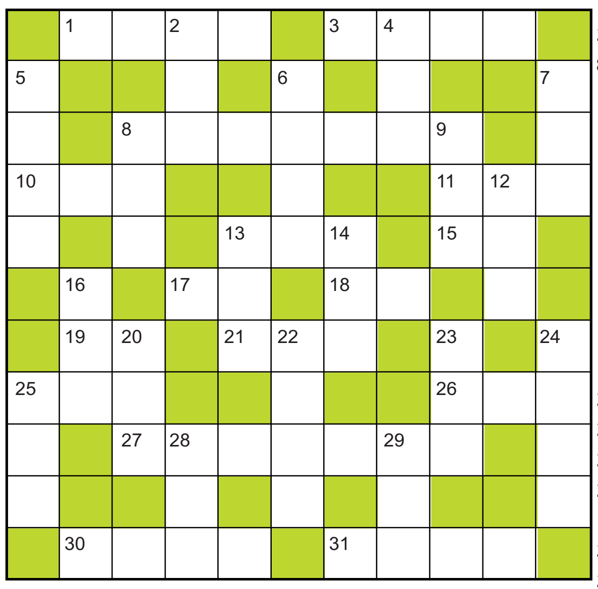

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3855 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

वैश्विक घटनाओं के बीच बाजार मे रहा भारी उतार-चढ़ाव, अंत में मजबूत रिकवरी

– कच्चे तेल की कीमतें और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पूरे हफ्ते बाजार की दिशा घरेलू कारकों से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय घटनाओं और भू-राजनीतिक तनावों से तय होती रही। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में तेज बदलाव और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया। सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन बीच-बीच में आई तेज रिकवरी ने बाजार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आरबीआई की मौद्रिक नीति, अंतरराष्ट्रीय सीजफायर की खबरें और कच्चे तेल में नरमी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। कुल मिलाकर यह सप्ताह हाई वोलैटिलिटी और तेज सेंटिमेंट स्विंग्स का रहा। सप्ताह की शुरुआत में वैश्विक तनाव के कारण बाजार पर दबाव देखा गया। पश्चिम एशिया में युद्ध के विस्तार की आशंका और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट दर्ज की गई, हालांकि दिन के मध्य में खरीदारी लौटने से बाजार हरे निशान पर आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1÷15 बजे तक बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा और बाद में मजबूत बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 भी सकारात्मक स्तरों पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में 800 अंकों से अधिक की गिरावट देखी गई, जहां निफ्टी 22,800 के नीचे चला गया। हालांकि इसके बाद वैश्विक संकेतों में सुधार और कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी लौट आई। आईटी सेक्टर में खरीदारी ने भी रिकवरी को समर्थन दिया। सबसे बड़ा उछाल तब देखने को मिला जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की खबरें आईं। इस सकारात्मक विकास ने वैश्विक तनाव कम किया और भारतीय बाजार में भारी खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स में लगभग 3,000 अंकों की तेज रैली दर्ज की गई और निफ्टी भी 24,000 के स्तर के करीब पहुंच गया। लगातार तेजी के बाद सप्ताह के अंत में बाजार में

हल्की मुनाफावसूली देखने को मिली। गुरुवार को बाजार दबाव में रहा और सेंसेक्स 900 अंकों से अधिक टूट गया। निफ्टी भी नीचे आ गया। हालांकि शुक्रवार को फिर से खरीदारी लौटी और सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 275.50 अंक बढ़कर 24,050.60 पर पहुंच गया।

अंबेडकर जयंती पर बाजार बंद, अगले हफ्ते सिर्फ 4 दिन होगी ट्रेडिंग

– एनएसई–बीएसई में 14 अप्रैल को अवकाश, कमोडिटी बाजार में आंशिक ट्रेडिंग

मुंबई ।

अगले सप्ताह 13 अप्रैल से शुरू होने वाले कारोबारी हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार में सिर्फ चार दिन ही ट्रेडिंग होगी, क्योंकि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर एनएसई और बीएसई बंद रहेंगे। अगले सप्ताह से शुरू होने वाला कारोबारी हफ्ता शेयर बाजार निवेशकों के लिए छोटा रहेगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) 14 अप्रैल मंगलवार को अंबेडकर जयंती के कारण बंद रहेंगे, जिससे पूरे सप्ताह में केवल चार ट्रेडिंग सत्र ही उपलब्ध होंगे। इससे पहले भी गुड फ्राइडे और महावीर जयंती के कारण बाजार दो दिन बंद रहा था। साल 2026 में कुल 16 ट्रेडिंग छुट्टियां निर्धारित हैं, जिनमें कई प्रमुख पर्व शामिल हैं। आगामी महीनों में 1 मई को महाराष्ट्र दिवस, 28 मई को ईद-उल-अधहा, 26 जून को मुहर्रम, 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 20 अक्टूबर को दशहरा, 10 नवंबर को दिवाली बलिप्रतिपदा, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस पर बाजार बंद रहेगा। कमोडिटी बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) में सुबह का सत्र बंद रहेगा, जबकि शाम को कारोबार होगा। वहीं नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पूरे दिन बंद रहेगा।

जेपी एसोसिएट्स अधिग्रहण विवाद में अदाणी समूह को संस्थापक का समर्थन

– एनसीएलटी से मंजूरी के बाद भी कानूनी लड़ाई जारी, कर्ज से जूझ रही कंपनी का भविष्य अधर में

नई दिल्ली ।

कर्ज के भारी बोझ से जूझ रही जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कंपनी के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने अदाणी समूह के पक्ष में अपना समर्थन जताया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब प्रतिद्वंद्वी वेदांता लिमिटेड इस अधिग्रहण प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दे रही है। संस्थापक जेपी गौड़ ने स्पष्ट किया है कि कॉमिटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) और रेजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा संचालित दिवाला समाधान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रही है। उनके अनुसार, बहुमत के आधार पर लिया गया निर्णय सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य होना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले वर्ष नवंबर में सीओसी ने लगभग 90 प्रतिशत वोटिंग के साथ अदाणी इंटरप्राइजेस` लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी। इस प्रक्रिया में वेदांता` लिमिटेड और डालमिया समूह ने भी भाग लिया था। बाद में 17 मार्च को एनसीएलटी की इलाहाबाद बेंच ने भी इस बोली को मंजूरी दे दी। हालांकि वेदांता ने 17,926 करोड़ रुपये की ऊंची बोली लगाई थी और अब उसने इस फैसले को एनसीएलएटी में चुनौती दी है। वेदांता का दावा है कि उन्हें पहले अनौपचारिक रूप से समर्थन मिला था, जिसे बाद में बिना कारण बदला गया। इसके बावजूद, संस्थापक जयप्रकाश गौड़ का कहना है कि वह सीओसी के निर्णय का सम्मान करते हैं और उन्हें विश्वास है कि गौतम अडानी के नेतृत्व में जेपी एसोसिएट्स नई

दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने वेदांता की भागीदारी के लिए भी आभार जताया।

जेपी पर लगभग 57,185 करोड़ रुपये के कर्ज के डिफॉल्ट के बाद जून 2024 में कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रक्रिया शुरू हुई थी। कंपनी के पास रियल एस्टेट टाउनशिप, होटल, कमर्शियल प्रॉपर्टी और सीमेंट प्लांट जैसी कई बड़ी संपत्तियां मौजूद हैं।

सोना-चांदी में जोरदार उछाल, दाम रिकॉर्ड स्तर के करीब

– घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

देश में सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। शे निवार 11 अप्रैल को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती दिखी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों धातुओं में मजबूती बनी हुई है, जिससे घरेलू बाजार को समर्थन मिल रहा है। देश के प्रमुख शहरों में सोने के दामों में हल्का अंतर देखा गया है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,360 रुपये के आसपास बना हुआ है, जबकि चेन्नई में यह बढ़कर 1,54,100 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। चांदी की बात करें तो दिल्ली में इसकी कीमत 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गई। इससे पहले इसमें एक दिन में करीब 1.6 फीसदी की बढ़त देखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड लगभग 4,777 डॉलर प्रति औंस और चांदी 75 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार एमसीएक्स के वीकली चार्ट पर सोना और चांदी दोनों लगातार मजबूती दिखा रहे हैं। दोनों धातुएं 30-वीक मूविंग एवरेज से ऊपर बनी हुई हैं, जो मजबूत अपट्रेंड का संकेत माना जाता है। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि अगर कीमतें प्रमुख सपोर्ट लेवल से नीचे जाती हैं तो हल्की गिरावट संभव है।

फिलहाल बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है और निवेशकों की नजर आगे की चाल पर टिकी है।

मार्च 2026 में महिंद्रा ने दर्ज की 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 बिक्री के लिहाज से महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए यह शानदार महीना रहा। कंपनी ने मार्च महीने में कुल 60,272 गाड़ियां बेचकर सालाना आधार पर 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। महिंद्रा स्कॉर्पियो मॉडल एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनकर उभरी, जिसने थार और बोलेरो जैसे लोकप्रिय मॉडलों को भी पीछे छोड़ दिया। स्कॉर्पियो की 14,578 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 के मुकाबले 5प्रतिशत ज्यादा है। थार ने 10,872 यूनिट्स की बिक्री के साथ 22प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की, जबकि बोलेरो ने भी 9,788 यूनिट्स बेचकर 22प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। कंपनी की नई एक्सयूवी 7एक्स0 ने 9,210 यूनिट्स और एक्सयूवी 3एक्स0 ने 9,199 यूनिट्स की बिक्री के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, महिंद्रा के लिए कुछ चिंताएं भी सामने आईं, जैसे कि उसकी प्रीमियम एसयूवी एक्सयूवी 700 और एमपीवी मराजो की मार्च में एक भी यूनिट नहीं बिकी, जबकि पिछले साल इसी महीने में उनकी अच्छी बिक्री हुई थी। यह दर्शाता है कि कुछ मॉडलों को ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जबकि कुछ अन्य बाजार में अपनी पकड़ खो रहे हैं।

चार्जर खरीदते समय ऐसे बचें नकली प्रोडक्ट से, आर-नंबर बन सकता है सुरक्षा की गारंटी

– नकली चार्जर बना खतरा, बीआईएस कोड से करें असली की पहचान

मुंबई ।

आजकल ज्यादातर स्मार्टफोन कंपनियां अपने बॉक्स से चार्जर हटाने लगी हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अलग से चार्जर खरीदना पड़ता है। ऐसे में बाजार में नकली और घटिया क्वालिटी के चार्जरों की भरमार हो गई है। लेकिन एक छोटा सा 'आर-नंबर' कोड आपकी सुरक्षा और फोन दोनों को बड़े खतरे से बचा सकता है। अगर आप अपने चार्जर को ध्यान से देखें, तो उसके पीछे 'आर' से शुरू होने वाला एक कोड (जैसे आर-एक्सएक्सएक्स) और बीआईएस लोगो दिखाई देता है। यह कोड ब्यूरो आफ इें डियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) द्वारा जारी किया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि उत्पाद भारत सरकार के सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा है। यह रजिस्ट्रेशन नंबर बताता है कि चार्जर को ओवरहीटिंग, शॉर्ट सर्किट और हाई-वोल्टेज जैसी समस्याओं के लिए टेस्ट किया गया है। यानी यह चार्जर सुरक्षित उपयोग के योग्य माना जाता है। नकली चार्जर बनाने वाले अक्सर फर्जी बीआईएस लोगो का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन

उपभोक्ता आसानी से इसकी जांच कर सकते हैं। इसके लिए बीआईएसकी आधिकारिक वेबसाइट या ऐप पर जाकर आर-नंबर दर्ज करना होता है। वहां अगर चार्जर असली होगा तो निर्माता, ब्रांड और प्रोडक्ट से जुड़ी पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। नकली चार्जर इस्तेमाल करने के कई गंभीर खतरे होते हैं। इनमें बैटरी ब्लास्ट, फोन की बैटरी लाइफ कम होना और करंट लगने का जोखिम शामिल है। घटिया क्वालिटी के कारण फोन की परफॉर्मेंस भी प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

– वार्ता से पहले डब्ल्यूटीआई और ब्रेंट क्रूड में कमजोरी, स्ट्रेट आफ होर्मुज पर वैश्विक आपूर्ति की नजर

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संभावित शांति वार्ता से पहले वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। शनिवार को होने वाली अहम बातचीत से पहले तेल की कीमतों में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। निवेशकों को उम्मीद है कि यदि बातचीत सकारात्मक रहती है तो वैश्विक आपूर्ति सामान्य हो सकती है और कीमतों में और नरमी आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 2 डॉलर से अधिक टूटकर 95.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जबकि ब्रेंट क्रूड भी गिरकर करीब 95.20 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यह

गिरावट ऐसे समय आई है जब बाजार अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली उच्च स्तरीय बातचीत पर नजर बनाए हुए है। इससे पहले, जब सीजफायर की घोषणा से जुड़ी खबरें सामने आई थीं, तब कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 16 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई थी, जो पिछले छह वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। हालांकि राजनीतिक स्तर पर बयानबाजी तेज है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका और कड़ा रुख अपना सकता है। साथ ही उन्होंने बातचीत को ईरान के लिए ÷गोल्डन चांस÷ बताया है। बाजार की नजर अब स्ट्रे आफ होर्मुज पर टिकी हुई है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। यदि यह समुद्री मार्ग सुरक्षित और खुला रहता है तो आपूर्ति स्थिर रह सकती है, जिससे कीमतों में राहत मिल सकती है। लेकिन अगर तनाव बढ़ा और मार्ग बाधित हुआ तो तेल की कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं।

पाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में बड़ी कटौती, 135 रुपए तक घटे दाम

- पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और लाइट डीजल ऑयल में उल्लेखनीय कमी, नई दरें 11 अप्रैल से लागू

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी कटौती की घोषणा की है। नई दरें 11 अप्रैल से लागू हो गई हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और लाइट डीजल ऑयल सभी के दामों में उल्लेखनीय कमी की गई है, जिससे परिवहन और कृषि क्षेत्र पर खर्च का बोझ कम होने की उम्मीद है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पेट्रोल की कीमत में 11.83 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है, जिसके बाद नई कीमत 366.58 रुपये प्रति लीटर तय हुई है। वहीं डीजल के दाम में 134.81 रुपये प्रति लीटर की भारी कटौती की गई है और अब यह 385.54 रुपये प्रति लीटर में उपलब्ध होगा। इसके अलावा केरोसिन तेल की कीमत में 17.33 रुपये की कमी की गई है, जिससे इसकी नई दर 450.15 रुपये प्रति लीटर हो गई है। लाइट डीजल ऑयल भी 25.31 रुपये सस्ता होकर 369.72 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का पूरा लाभ जनता तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ने राहत का कोई हिस्सा राजस्व या अन्य खर्चों में उपयोग करने के बजाय सीधे जनता को देने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि किसानों को राहत देना प्राथमिकता है ताकि उत्पादन लागत घटे और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिले। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट और मोटरसाइकिल उपयोगकर्ताओं के लिए सब्सिडी जारी रखने की भी बात कही गई है।

आरबीआई का प्रस्ताव- 1 लाख करोड़ से अधिक परिसंपत्ति वाली एनबीएफसी होंगी अपर लेयर में

- मौजूदा जटिल स्कोरिंग सिस्टम की जगह अब आकार आधारित मानदंड अपनाने का सुझाव

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के वर्गीकरण ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार अब एनबीएफसी को उनकी परिसंपत्ति (एसेट साइज) के आधार पर अपर लेयर में रखा जाएगा, जिससे मौजूदा जटिल मूल्यांकन प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया जा सके। इस मसौदे पर हितधारकों से 4 मई तक सुझाव मांगे गए हैं। रतीय रिज़र्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए मौजूदा स्केल बेस्ड रेगुलेटरी (एसबीआर) ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव जारी किया है। इस प्रस्ताव के तहत सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान के लिए जटिल स्कोरिंग मॉडल की जगह केवल परिसंपत्ति आधारित मानदंड अपनाया जाएगा। आरबीआई के अनुसार जिन एनबीएफसी की परिसंपत्ति 1 लाख करोड़ रुपए या उससे अधिक होगी, उन्हें उनकी नवीनतम ऑडिटेड बैलेंस शीट के आधार पर सीधे अपर लेयर श्रेणी में रखा जाएगा। इसके अलावा यदि सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी इस परिसंपत्ति सीमा को पार करती हैं, तो उन्हें भी इस श्रेणी में शामिल किया जाएगा। वर्तमान में ऐसी कई संस्थाएं बुनियादी या मध्य स्तर में वर्गीकृत रहती हैं। अभी तक अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान एक द्विआयामी पद्धति के आधार पर होती है, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक मापदंड शामिल हैं। इस प्रणाली में लगभग 70 प्रतिशत भार मात्रात्मक और 30 प्रतिशत गुणात्मक संकेतकों को दिया जाता है। हालांकि आरबीआई का मानना है कि यह ढांचा जटिल है और इसे सरल बनाना आवश्यक है ताकि नियमन अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो सके। फिलहाल लगभग 15 एनबीएफसी को अपर लेयर में रखा गया है। इनमें बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, एलएंडटी फाइनेंस, टाटा कैपिटल, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, आदित्य बिड़ला फाइनेंस, मुथूट फाइनेंस, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, बजाज हाउसिंग फाइनेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और टाटा संस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। आरबीआई ने जनवरी 2025 में जारी सूची में स्पष्ट किया था कि टाटा संस को अपर लेयर में शामिल करना उसके पंजीकरण रद्द करने के आवेदन की प्रक्रिया पर कोई असर नहीं डालेगा, जो अभी समीक्षा में है। इस नए प्रस्ताव के लागू होने पर सरकारी क्षेत्र की एनबीएफसी को भी अपर लेयर में शामिल किए जाने से इस श्रेणी की संस्थाओं की संख्या बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव वित्तीय प्रणाली में निगरानी को अधिक मजबूत बनाएगा और बड़े संस्थानों पर नियामकीय नियंत्रण और प्रभावी होगा। इक्रा के अनुसार, इससे एनबीएफसी क्षेत्र में वर्गीकरण अधिक स्पष्ट और सरल हो सकेगा।

भारत बनाएगा 10 करोड़ डॉलर का समुद्री बीमा कोष

- युद्ध जोखिम बढ़ने से महंगा हुआ बीमा, निर्यातकों को राहत देने की तैयारी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते समुद्री व्यापार पर संकट गहराता जा रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारतीय बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां एक विशेष समुद्री बीमा कोष बनाने की योजना पर काम कर रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय सामान्य बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां करीब 10 करोड़ डॉलर का समुद्री बीमा कोष तैयार करने पर विचार कर रही हैं। इस कोष का प्रबंधन जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशनप आफ इें डिया (जीआईसी) द्वारा किया जाएगा, जिसमें समुद्री बीमा से जुड़ी अन्य कंपनियां भी भाग लेंगी। सूत्रों के अनुसार इस कोष को मजबूत बनाने के लिए सरकार संप्रभु गारंटी देने पर भी विचार कर सकती है। बीमा कंपनियां फरवरी 2026 तक समुद्री बीमा प्रीमियम का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा इसमें योगदान करने पर चर्चा कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य समुद्री बीमा युद्ध संबंधी जोखिमों को कवर नहीं करता, जिसके लिए अलग से वार-रिस्क कवर लेना पड़ता है। मौजूदा हालात में यह कवर महंगा और सीमित हो गया है। पहले जहां इसका प्रीमियम 0.25 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 0.5 से 1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता के चलते कई बीमा कंपनियों ने जहाजों के लिए कवर रद्द करने तक के नोटिस जारी किए हैं। वहीं शिपिंग कंपनियां वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रही हैं या सेवाएं रोक रही हैं। प्रस्तावित बीमा कोष जोखिम को साझा कर बड़े नुकसान की भरपाई में मदद करेगा और भविष्य में इस तरह के संकटों से निपटने में अहम भूमिका निभा सकता है।

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी ने टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल कर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है।

अक्सर शांत और सौम्य रहने वाले स्टीफन फ्लेमिंग को बखूबी अंदाजा है कि आजकल उनके बारे में क्या बातें हो रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चेन्नई को रिकॉर्ड पांच आईपीएल ट्रॉफियां जिताने का पर्याप्त श्रेय मिला है, तो उन्होंने विनम्रता, लेकिन दृढ़ता से अपनी बात रखी। फ्लेमिंग ने कहा, नहीं, असल में क्रेडिट मेरा नहीं, सिर्फ खिलाड़ियों का है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह सिर्फ कोचिंग का एक और साल है। हमेशा से ऐसा ही रहा है कि खिलाड़ी ही मैदान पर कमाल करते हैं। मैदान के बाहर कोचिंग जरूरी होती है, लेकिन खिताब मैदान पर प्रदर्शन से जीते जाते हैं। फ्लेमिंग ने एमएस धोनी जैसे दुनिया के सबसे महान कप्तानों में से एक के साथ काम करने को अपना सौभाग्य बताया और कहा कि उन्हें अपने नतीजों पर गर्व है, लेकिन वह तारीफ या वाहवाही पाने के भूखे नहीं हैं।

मुकुल चौधरी एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे : डु प्लेसिस

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी से एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे हैंहै। डु प्लेसिस के अनुसार जिस प्रकार से वह आक्रामक होकर अंतिम ओवरों में खेलता दिखा इससे अंदाज होता है कि वह भविष्य में एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरेगा।मुकुल ने ईडन गार्डन्स में 27 गेंदों पर ही सात छक्के और दो चौके लगार नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम सुपर जायंट्स को असंभव सी जीत दिला दी। डु प्लेसिस ने कहा, मैच को अंतिम गेंद ले जाने की उनकी समझ जबरदस्त दिखी। इस युवा खिलाड़ी में जबरदस्त ताकत और क्षमता है और उसकी बल्लेबाज का अंदाज देखकर हैरानी होती है। साथ ही कहा कि उसके कुछ स्ट्रोक देखकर मुझे महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआत दिनों का खेल याद आ गया। उसके फ्लिक शॉट्स कमाल के रहे। प्लेसिस ने बताया कि केकेआर टीम को इस बार भाग्य का साथ भी नहीं मिलता दिख रहा है। डु प्लेसिस ने कहा, सीजन में कुछ ऐसे छोटे-छोटे पल आते हैं जो निर्णायक साबित हो सकते हैं, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो सोचते हैं कि अगर वो पल हमारे पक्ष में गया होता, तो सीजन का नजारा कुछ और ही होता। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और इस समय कठिन स्थिति में है।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें MI 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुक़ाबलों में RCB की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि MI को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुक़ाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। RCB और MI के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने MI के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, RCB के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमशः नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल

ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में MI के निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को IPL में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने RCB के लिए MI के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। IPL 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय MI का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से RCB को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने MI के ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या RCB के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए।

राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 : राजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के फाइनल तय

राजगीर । बिहार/ बिहार के राजगीर में चल रही हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुँच गया है। डिवीजन ए में पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं, जिससे खिताब के लिए रोमांचक जंग की उम्मीद बढ़ गई है। सभी मुकाबले 12 अप्रैल को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी उत्तर प्रदेश से होगा, जबकि महिलाओं के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश की टीम गत चैंपियन हॉकी झारखंड से भिड़ेगी। इन मुख्य मुकाबलों के अतिरिक्त, तीसरे स्थान के लिए भी दिलचस्प मैच खेले जाएंगे। महिलाओं के वर्ग में हॉकी ओड़िशा और हॉकी उत्तर प्रदेश कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं पुरुषों में दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव हॉकी का मुकाबला हॉकी पंजाब से होगा। सेमीफाइनल मुकाबलों की बात करें तो, पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव को 4-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, हॉकी उत्तर प्रदेश ने एक कड़े मुकाबले में पिछले साल के चैंपियन पंजाब को 6-2 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला पिछले साल के तीसरे स्थान के मैच का रीमैच भी था, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की थी। इस बार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी गोल स्कोरिंग में भी आगे रहे हैं, जहाँ शाहरुख अली 14 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। उनके साथी खिलाड़ी नीतीश यादव ने अपने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से दागे हैं, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश और झारखंड दोनों ही टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है।

ऋषभ कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी से खेलें : कैफ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अब जिम्मेदारी से खेलना होगा। कैफ के अनुसार कप्तान होने के नाते उन्हें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी , तभी वह टीम के अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर पायेंगे। कैफ के अनुसार वह अब सीनियर खिलाड़ी हैं और उन्हें कठिन हालातों में अंत तक टिके रहना चाहिये। वह इस सत्र में अभी तक केवल एक मैचम में ही अच्छी पारी खेल पाये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें अपनी खेल की समझ में सुधार करते हुए लगातार अच्छे परिणामों के लिए जिम्मेदारी से खेलना होगा। सुपरजायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली पर कप्तान केवल केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। नये बल्लेबाज मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की सहायता से सुपरजायंट्स ने ये मैच किसी प्राकर से जीता। इस दौरान देखा गया कि कप्तान के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। कैफ ने कहा, टीम की हालत को देखते हुए उन्हें अंत तक खेलते रहना चाहिये। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, और पिछले एक दशक से खेल रहे हैं। केकेआर के खिलाफ जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति कठिन नहीं थी। उस समय टीम ने पहले पांच ओवरों में ही 40 से अधिक रन बना लिए थे। ऐसे में किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका कप्तान को निभानी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच में जीत नहीं दिला सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच के हालातों के अनुसार और खेलते हुए ये सीखना होगा कि कब कैसी रणनीति अपनाने की जरुरत है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक खेलता रहे।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

मैच की बात करें तो, राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी से मिले 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 6 विकेट से अपने नाम किया। आरसीबी द्वारा निर्धारित 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत

हालांकि खराब रही, जब यशस्वी जायसवाल मात्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया। 15 साल के वैभव ने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव के आगे आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक छोर संभाले रखा और नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए थे। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। विराट कोहली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 22 रनों का योगदान दिया। यह इस सीजन में आरसीबी की पहली हार है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा है।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।

यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है कि वह सिर्फ रिकॉर्ड बनाने नहीं, बल्कि क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की एक नई परिभाषा गढ़ने आए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस युवा सनसनी को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका दें।

हिम्मत: डरपोक राजू की बहादुरी की प्रेरक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और हरे-भरे राज्य में 'शांतिपुर' नाम का एक गाँव था। इस गाँव के किनारे से एक साफ़ और ठंडे पानी की नदी बहती थी। गाँव में आम, अमरूद और नीम के बड़े-बड़े पेड़ थे। इसी शांतिपुर गाँव में एक दस साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था राजू। राजू पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसका दिल बहुत साफ था। लेकिन राजू की एक बहुत बड़ी परेशानी थी–वह बहुत डरपोक था।

उसे हर चीज़ से डर लगता था। रात के अंधेरे से, तेज़ आवाज़ से, ऊँचाई से, और यहाँ तक कि गली के छोटे-छोटे जानवरों से भी। जब भी आसमान में बिजली कड़कती, राजू डर के मारे अपने बिस्तर के नीचे छिप जाता था।

राजू के इस डरपोक स्वभाव की वजह से गाँव के दूसरे बच्चे अक्सर उसका मज़ाक उड़ाते थे। जब बच्चे क्रिकेट खेलते और गेंद किसी पुरानी हवेली या झाड़ियों में चली जाती, तो वे राजू को डराने के लिए कहते, 'राजू, जा जाकर गेंद ले आ, वहाँ भूत रहता है!' राजू डर के मारे कांपने लगता और रोने-रोने को हो जाता। सब बच्चे उस पर ज़ोर-ज़ोर से हँसते थे। राजू को यह सब बहुत बुरा लगता था। वह अक्सर सोचता था कि काश उसके अंदर भी दूसरे बच्चों की तरह बहादुरी होती।

बच्चों, क्या आप जानते हैं कि असली साहस या हिम्मत किसे कहते हैं? हिम्मत का मतलब यह नहीं होता कि आपको कभी डर ही न लगे। असली हिम्मत तो वह होती है जब आप बहुत डरे हुए हों, लेकिन फिर भी सही काम करने के लिए आगे कदम बढ़ाएं। राजू को भी जल्द ही इस बात का मतलब समझ आने वाला था।

राजू वैसे तो जानवरों से बहुत डरता था, लेकिन एक दिन स्कूल से लौटते समय उसने देखा कि सड़क के किनारे एक छोटा सा भूरे रंग का पिल्ला (कुत्ते का बच्चा) ठंड से कांप रहा था। वह बहुत भूखा और कमज़ोर लग रहा था। राजू को पहले तो डर लगा, लेकिन पिल्ले की मासूम आँखों को देखकर राजू का दिल पसीज गया।

राजू ने अपने टिफिन में बची हुई आधी रोटी उस पिल्ले के सामने डाल दी। पिल्ला तुरंत रोटी खा गया और अपनी छोटी सी पूंछ हिलाते हुए राजू के जूतों को चाटने लगा। उस दिन से राजू और उस पिल्ले की पक्की दोस्ती हो गई। राजू ने उसका नाम 'शेरू' रखा। अब रोज़ स्कूल आते-जाते राजू शेरू के लिए कुछ न कुछ खाने को लाता। शेरू राजू को देखकर उछल-कूद करता। शेरू के साथ रहकर राजू अपना डर भूल जाता था।

गर्मियों का मौसम खत्म हुआ और बारिश का मौसम आ गया। इस बार शांतिपुर गाँव में बहुत भयानक बारिश हुई। लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश होती रही। आसमान में काले-काले बादल छाए रहते और तेज़ बिजली कड़कती रहती। सूरज तो जैसे कहीं छिप ही गया था।

इतनी तेज़ बारिश के कारण गाँव के किनारे बहने वाली नदी का पानी बहुत बढ़ गया। नदी में बाढ़ जैसी स्थिति आ गई।

तभी अचानक, बाहर हवा की आवाज़ के बीच राजू को एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनाई दी। कूँई... कूँई... कूँई...

राजू ने तुरंत अपनी रज़ाई हटाई। यह आवाज़ शेरू की थी! राजू ने खिड़की से बाहर झाँक कर देखा। उसका घर नदी के थोड़ा पास ही था। राजू ने देखा कि शेरू नदी के किनारे एक बड़े से पत्थर पर फँसा हुआ था। बाढ़ का पानी तेज़ी से उस पत्थर की तरफ बढ़ रहा था। शेरू बहुत डरा हुआ था और मदद के लिए रो रहा था।

राजू के पिता ने भी खिड़की से बाहर देखा और बोले, 'अरे बाप रे! नदी का बहाव बहुत तेज़ है। उस पिल्ले का बचना नामुमकिन है। बाहर जाना बहुत खतरनाक है।'

यह सुनकर राजू का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसका प्यारा दोस्त शेरू मौत के मुँह में था!

राजू को बहुत डर लग रहा था। उसके हाथ-पैर कांप रहे थे। बिजली कड़क रही थी, जिससे उसका डर और भी बढ़ रहा था। लेकिन जब उसने शेरू की रोती हुई मासूम आँखें देखीं, तो उसे लगा कि अगर वह नहीं गया तो शेरू डूब जाएगा।

राजू ने अपनी आँखें बंद कीं और गहरी साँस ली। आज उसे अपने डर से ज्यादा शेरू की फिक्र हो रही थी। यही वह पल था जब राजू के अंदर हिम्मत जागी। बिना किसी को बताए, राजू ने अपनी चमकीली पीली रेनकोट (ऋह्वद्बठ्ठष्शड्डह्ल) पहनी। उसने घर के आंगन से एक लंबी और मज़बूत लकड़ी उठाई और दरवाज़ा खोलकर तूफानी बारिश में बाहर निकल गया।

'राजू! बेटा, वापस आओ! यह खतरनाक है!' राजू के माता-पिता घबरा कर चिल्लाए। लेकिन राजू तब तक नदी के किनारे पहुँच चुका था।

नदी का पानी बहुत ठंडा था और बहाव तेज़ था। राजू ने एक कदम पानी में रखा। पानी उसके घुटनों तक आ रहा था। उसे लगा कि वह बह जाएगा, लेकिन उसने अपनी लकड़ी को ज़मीन पर ज़ोर से टिकाया। 'डरो मत शेरू! मैं आ रहा हूँ!' राजू ने तेज़ हवाओं के बीच चिल्लाकर कहा।

राजू धीरे-धीरे, एक-एक कदम सावधानी से बढ़ाते हुए उस पत्थर की तरफ जाने लगा जहाँ शेरू फँसा था। पानी की लहरें राजू को पीछे धकेल रही थीं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। कड़कती बिजली भी अब उसे डरा नहीं पा रही थी।

आखिरकार, राजू उस पत्थर तक पहुँच गया। उसने शेरू को उठाया और अपने रेनकोट के अंदर, अपने सीने से लगा लिया। शेरू ने राजू का चेहरा चाटना शुरू कर दिया। राजू को अब वापस लौटना था। वापसी का सफर और भी मुश्किल था क्योंकि उसके एक हाथ में शेरू था। लेकिन राजू की हिम्मत अब दोगुनी हो चुकी थी।

पूरे ज़ोर और सावधानी के साथ, राजू नदी से बाहर आ गया।

जब राजू शेरू को लेकर घर पहुँचा, तो उसके माता-पिता दौड़कर आए और उसे गले लगा लिया। वे रो रहे थे और साथ ही बहुत गर्व भी महसूस कर रहे थे। बारिश रुकने के बाद, यह खबर पूरे गाँव में फैल गई कि डरपोक राजू ने तूफानी नदी में जाकर एक पिल्ले की जान बचाई है।

गाँव के लोग राजू के घर आए। जो बच्चे कल तक राजू को 'डरपोक' कहकर चिढ़ाते थे, वे आज हैरान थे। गाँव के सरपंच ने राजू की पीठ थपथपाई और कहा, 'शाबाश बेटा! तुमने आज जो किया है, वह हर कोई नहीं कर सकता। तुमने साबित कर दिया कि असली हिम्मत शरीर की ताकत में नहीं, बल्कि दिल की अच्छाई और इरादों में होती है।'

उस दिन के बाद से, शांतिपुर गाँव में किसी ने भी राजू को डरपोक नहीं कहा। राजू का भी अपने अंदर का सारा डर हमेशा के लिए खत्म हो गया था। शेरू अब राजू के साथ ही उसके घर में रहने लगा था। राजू ने समझ लिया था कि डर लगना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन डर के आगे हार मान लेना बुरी बात है। अगर हम अपने मन में ठान लें और थोड़ी सी हिम्मत दिखाएं, तो हम किसी भी बड़ी से बड़ी मुसीबत का सामना कर सकते हैं।

प्यारे बच्चों, लोटपोट की इस कहानी से हमें यही सीख मिलती है कि डर के आगे ही असली जीत है!

सीख

डर पर काबू पाना: असली हिम्मत कभी न डरने में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने के बावजूद सही काम करने में है।

दूसरों की मदद: जब हम किसी कमज़ोर या ज़रूरतमंद की मदद करने का फैसला करते हैं, तो हमारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाती है।

खुद पर विश्वास: हमें कभी भी खुद को कमज़ोर नहीं समझना चाहिए। मुसीबत के समय हमारे अंदर छिपी हुई ताकत ही हमारा सबसे बड़ा हथियार होती है।

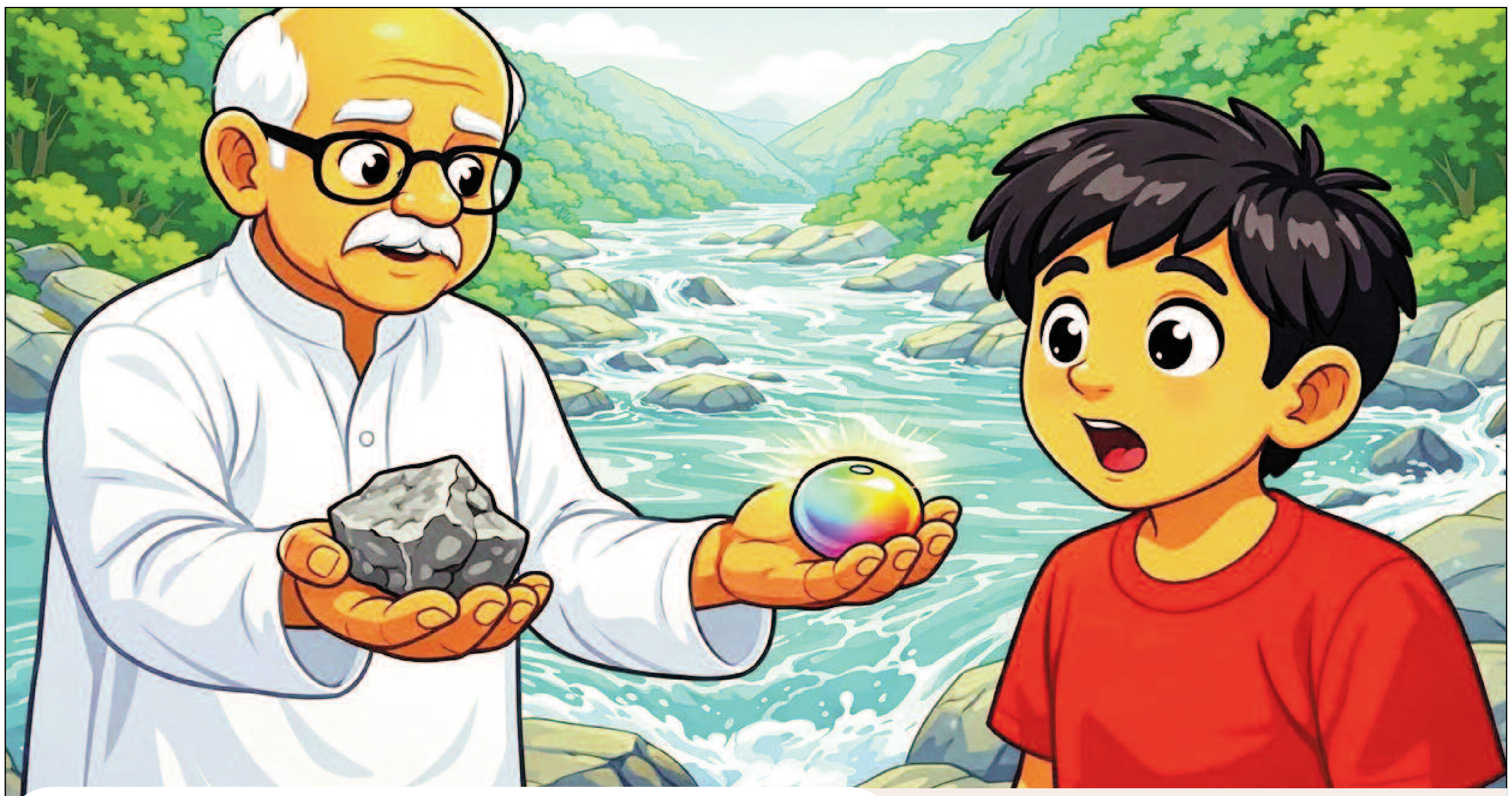

नुकीले पत्थर से सीख

रवि और दादाजी की प्रेरणादायक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और शांत शहर 'देहरादून' में एक 12 साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था 'रवि'। रवि पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसके अंदर एक जन्मजात टैलेंट था–वह बहुत शानदार चित्रकला करता था। उसके द्वारा बनाए गए चित्र एकदम असली लगते थे। लेकिन, रवि के अंदर एक बहुत बड़ी कमी थी। वह स्वभाव से बहुत कामचोर था और थोड़ी सी मेहनत या कठिनाई आने पर तुरंत हार मान लेता था।

प्रकृति में हर चीज़, चाहे वह एक छोटा सा पौधा हो या एक कठोर पत्थर, हमें जीवन की कोई न कोई बड़ी सीख ज़रूर देती है। रवि को भी जल्द ही एक नुकीले पत्थर से सीख मिलने वाली थी, जो उसकी ज़िंदगी को हमेशा के लिए बदलने वाली थी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और रवि की हार

एक दिन रवि के स्कूल में घोषणा हुई कि अगले महीने पूरे राज्य स्तर की 'राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता' होने वाली है। स्कूल के प्रिंसिपल सर ने रवि को बुलाया और कहा, 'रवि, तुम्हारी कला बहुत बेहतरीन है। इस साल हमारे स्कूल की तरफ से तुम इस प्रतियोगिता में हिस्सा लोगे। लेकिन याद रखना, इसके लिए तुम्हें रोज़ कम से कम चार घंटे अभ्यास करना होगा।'

रवि शुरुआत में बहुत खुश हुआ। उसने घर आकर नए रंग और ब्रश निकाले और पेंटिंग बनानी शुरू की। लेकिन दो-तीन दिन बाद ही उसका उत्साह खत्म होने लगा। लगातार बैठकर पेंटिंग करने से उसकी कमर में दर्द होने लगा और उंगलियां सुन्न हो गईं।

'मुझसे यह सब नहीं होगा! इतना दर्द कौन सहेगा? मैं तो वैसे भी अच्छा चित्र बनाता हूँ, मुझे इस अभ्यास की क्या ज़रूरत है?' यह सोचकर रवि ने अपने रंग और ब्रश मेज पर फेंक दिए और बिस्तर पर लेटकर मोबाइल देखने लगा।

रवि के दादाजी, 'रामनाथ जी', घर के एक बहुत ही समझदार और अनुभवी व्यक्ति थे। वे कई सालों तक में काम कर चुके थे और उन्हें पता था कि बिना अनुशासन और मेहनत के कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

जब दादाजी ने देखा कि रवि ने प्रतियोगिता की तैयारी छोड़ दी है और वह मुश्किलों से भाग रहा है, तो उन्हें बहुत चिंता हुई। वे जानते थे कि अगर रवि को सही समय पर नहीं समझाया गया, तो उसका सारा टैलेंट (Talent) बर्बाद हो जाएगा।

अगले दिन रविवार था। दादाजी सुबह-सुबह रवि के कमरे में आए और बोले, 'रवि बेटा, उठो! आज हम दोनों शहर के बाहर 'नीलधारा' नदी के किनारे एक छोटी सी ट्रैकिंग (पहाड़ी सैर) पर जाएंगे।'

रवि ने मुँह बनाते हुए कहा, 'दादाजी, मुझे नहीं जाना। वहाँ बहुत चलना पड़ेगा और मेरे पैरों में दर्द हो जाएगा।' लेकिन दादाजी ने उसकी एक न सुनी। वे उसे लगभग ज़बरदस्ती अपने साथ लेकर निकल पड़े।

नीलधारा नदी शहर से कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी इलाके में बहती थी। वहाँ पहुँचने का रास्ता बहुत ही कच्चा, ऊबड़-खाबड़ और कंटीला था। रवि पूरे रास्ते शिकायत करता रहा। 'दादाजी, कितनी धूप है! रास्ता कितना खराब है! हम यहाँ क्यों आए हैं?'

दादाजी बस मुस्कुराते रहे और अपनी छड़ी के सहारे आगे बढ़ते रहे। अचानक, नदी के किनारे पहुँचने से थोड़ा पहले, रवि का पैर एक बहुत ही तीखे और खुरदरे पत्थर पर पड़ा। पत्थर इतना नुकीला था कि वह रवि के जूतों के सोल (स्श्द्ग) को पार करता हुआ उसके पैर में हल्का सा चुभ गया।

'आउच! मम्मा!' रवि दर्द के मारे जोर से चिल्लाया। उसने गुस्से में उस पत्थर को उठाया और दूर फेंकने लगा। 'यह कितना गंदा और नुकीला पत्थर है! इसने मेरे पैर में चोट लगा दी। इसे तो यहाँ होना ही नहीं चाहिए!'

दादाजी ने रवि का हाथ पकड़ लिया। उन्होंने वह नुकीला पत्थर रवि के हाथ से लिया और कहा, 'रुको बेटा! इस पत्थर को फेंको मत। आज तुम्हें इस नुकीले पत्थर से सीख लेनी है। इसे अपने पास रखो और चलो, अब नदी आ गई है।'

दोनों नीलधारा नदी के किनारे पहुँचे। नदी का पानी बहुत ही साफ, ठंडा और तेज़ी से बहने वाला था। पानी के बहाव की आवाज़ से मन को बहुत शांति मिल रही थी।

दादाजी ने रवि से कहा, 'बेटा, तुम्हारे हाथ में जो पत्थर है, वह बहुत ही भद्दा और नुकीला है। अब ज़रा इस नदी के पानी के अंदर हाथ डालो और जो सबसे सुंदर, चिकना और गोल पत्थर (Pebble) तुम्हें मिले, उसे बाहर निकालो।'

रवि ने अपने जूते उतारे और नदी के ठंडे पानी में गया। नदी का तल (ड्डद्गस्र) अनगिनत छोटे-बड़े, रंग-बिरंगे और बेहद चिकने पत्थरों से भरा हुआ था। रवि ने एक बहुत ही सुंदर, बिल्कुल गोल और चमकता हुआ 'सफ़ेद पत्थर' पानी से बाहर निकाला। वह पत्थर इतना चिकना था कि उसे हाथ में पकड़ने पर बहुत अच्छा लग रहा था।

'दादाजी, देखिए! यह पत्थर कितना सुंदर और चिकना है। मैं इसे अपने घर ले जाकर अपनी मेज पर सजाऊंगा,' रवि ने खुशी से कहा।

दादाजी ने एक पास के बड़े से पत्थर पर बैठते हुए रवि को अपने पास बुलाया। उन्होंने रवि के एक हाथ में वह 'नुकीला और भद्दा पत्थर' रखा और दूसरे हाथ में वह 'चिकना और सुंदर पत्थर' रखा।

दादाजी ने गंभीर और शांत स्वर में कहा, 'रवि बेटा, क्या तुम जानते हो कि ये दोनों पत्थर एक ही पहाड़ से टूटकर नीचे गिरे थे? सालों पहले ये दोनों बिल्कुल एक जैसे ही खुरदरे और नुकीले थे।'

रवि ने हैरानी से पूछा, 'तो फिर यह दूसरा पत्थर इतना गोल और सुंदर कैसे बन गया, दादाजी?'

यही वह पल था जहाँ इस कहानी की सबसे बड़ी नुकीले पत्थर से सीख छिपी थी। दादाजी ने मुस्कुराते हुए समझाया, 'बेटा, तुम्हारे दाहिने हाथ में जो नुकीला पत्थर है, वह पहाड़ से टूटकर नदी के बाहर सूखे किनारे पर गिर गया। उसने नदी के तेज़ बहाव से डरकर पानी में जाने से इंकार कर दिया। वह अपनी जगह पर आराम से पड़ा रहा। उसे कोई दर्द नहीं सहना पड़ा, किसी तेज़ धारा का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन इसका नतीजा क्या हुआ? आज वह वैसा का वैसा ही नुकीला, खुरदरा और भद्दा है। लोग उसे देखकर गुस्सा करते हैं क्योंकि वह पैरों में चुभता है।'

दादाजी ने फिर उस सुंदर पत्थर की तरफ इशारा किया और कहा, 'लेकिन इस दूसरे पत्थर ने आराम नहीं चुना। यह पहाड़ से सीधा इस नदी के तेज़ और खतरनाक बहाव में कूद गया। सालों तक यह पानी के थपेड़े सहता रहा। यह कभी दूसरे पत्थरों से टकराया, तो कभी ज़मीन पर रगड़ाया। इसे बहुत दर्द हुआ होगा, यह बहुत घिसा होगा। लेकिन उस 'घिसने' और 'कठिनाइयों को सहने' का नतीजा क्या हुआ? आज यह पत्थर एकदम गोल, चिकना और इतना सुंदर बन गया है कि तुम इसे अपने घर में सजाना चाहते हो।'

दादाजी की बातें रवि के दिल में किसी तीर की तरह जाकर लगीं। उसे अचानक अपनी और उस पेंटिंग प्रतियोगिता की याद आ गई।

दादाजी ने रवि के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'बेटा, इंसान का जीवन भी बिल्कुल इन पत्थरों की तरह होता है। अगर तुम मेहनत से डरोगे, अपनी कमर के दर्द और उंगलियों की थकान से भागोगे, तो तुम जीवन भर उस नुकीले पत्थर की तरह ही रह जाओगे—एकदम साधारण, जिससे कोई प्यार नहीं करता। लेकिन अगर तुम 'सफलता की नदी' में कूदकर मेहनत की रगड़ सहोगे, अभ्यास का दर्द बर्दाश्त करोगे, तो एक दिन तुम इस 'गोल पत्थर' की तरह चमकोगे, जिसे पूरी दुनिया सम्मान देगी।'

रवि की आँखों से अज्ञानता का पर्दा हट चुका था। उसने उन दोनों पत्थरों को अपनी जेब में रख लिया। 'मुझे माफ़ कर दीजिए दादाजी,' रवि ने नम आँखों से कहा। 'मुझे आपकी नुकीले पत्थर से सीख पूरी तरह समझ आ गई है। मैं अब अपनी मेहनत से पीछे नहीं हटूंगा। दर्द चाहे जितना भी हो, मैं अभ्यास करूँगा और उस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।' अगले दिन से रवि का रूटीन पूरी तरह बदल गया। उसने मोबाइल फोन एक तरफ रख दिया। वह रोज़ स्कूल से आकर लगातार पाँच घंटे अपनी पेंटिंग का अभ्यास करता। उसकी उंगलियों में दर्द होता, उसकी आँखें थक जातीं, लेकिन वह रुकता नहीं था। जब भी उसका मन हार मानने को करता, वह अपनी मेज पर रखे उस 'चिकने पत्थर' को देख लेता और उसे दादाजी की बात याद आ जाती।

एक महीने बाद प्रतियोगिता का दिन आया। रवि ने वहां एक बहुत ही शानदार और जीवंत पेंटिंग बनाई। जब प्रतियोगिता का परिणाम (ऋद्गह्यह्वद्यह्ल) घोषित हुआ, तो पूरे राज्य में रवि को 'प्रथम पुरस्कार' मिला!

मंच पर जब रवि को गोल्ड मेडल और ट्रॉफी दी जा रही थी, तो उसने दर्शकों में बैठे अपने दादाजी की तरफ देखा और मुस्कुरा दिया। उसे पता था कि यह मेडल उसकी कला का नहीं, बल्कि उस 'रगड़' और 'मेहनत' का है जो उसने पिछले एक महीने में सही थी।

बच्चों, लोटपोट की ये हिंदी कहानियां हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण सच्चाई से रूबरू कराती हैं। बिना दर्द सहे, कोई भी महान नहीं बन सकता।

सीख

मेहनत और संघर्ष: सफलता पाने के लिए हमें मेहनत की आग में तपना ही पड़ता है। बिना संघर्ष और कठिनाइयों का सामना किए कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

आराम का लालच: जो लोग आराम का रास्ता चुनते हैं और मेहनत से भागते हैं, वे जीवन में कभी भी निखर नहीं पाते और पीछे रह जाते हैं (नुकीले पत्थर की तरह)।

दर्द ही दवा है: अभ्यास करते समय होने वाला दर्द असल में हमारी कमियों को दूर कर रहा होता है, इसलिए उससे घबराने के बजाय उसका डटकर सामना करना चाहिए।

'सैयारा' के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे अहान पांडे, अली अब्बास जफर करेंगे निर्देशन

'सैयारा' फेम एक्टर अहान पांडे एक एक्शन-रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। आज अली अब्बास जफर ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए फिल्म से अहान पांडे का पहला लुक शेयर किया है, जिस पर फैंस दिल हार बैठे हैं।

शूटिंग हुई शुरू

अहान पांडे की इस फिल्म की शूटिंग आज से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। जल्द ही मुख्य अभिनेत्री और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा की जाएगी। फिल्म का निर्माण वाईआरएफ कर रहा है। इसकी शूटिंग मुंबई और विदेशों में होगी। इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान की एक खास तस्वीर शेयर की और लिखा, 'और शुरू हो गई...' अहान पांडे की इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर अहान पांडे की है। इस तस्वीर में अहान के चेहरे का कुछ हिस्सा साफ नजर आ रहा है, क्योंकि बाकी की तस्वीर धुंधली है। छोटे बाल में अहान का यह लुक कमाल का लग रहा है।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

अहान की इस दूसरी फिल्म के पहले लुक ने सेलेब्स और फैंस का दिल जीत लिया है। अभिनेता अर्जुन कपूर ने लिखा, 'मास' और साथ ही फायर इमोजी बनाया है। टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने लिखा, 'बधाई हो अली सर', अहान की मां डीन ने लिखा, 'पूरी टीम को शुभकामनाएं', रजत बेदी ने लिखा, 'बधाई हो अली भाई', एक फैन ने लिखा, 'बहुत ज्यादा उत्साहित हूं', दूसरे फैन ने लिखा, 'अहान तुम कमाल कर दोगे', वहीं कई फैंस अहान के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अली और आदित्य की जोड़ी

'सैयारा' जैसी लव स्टोरी करने के बाद अब एक्शन-रोमांस फिल्म में आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म है, जिनकी जोड़ी ने 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी हिट फिल्में दी हैं।

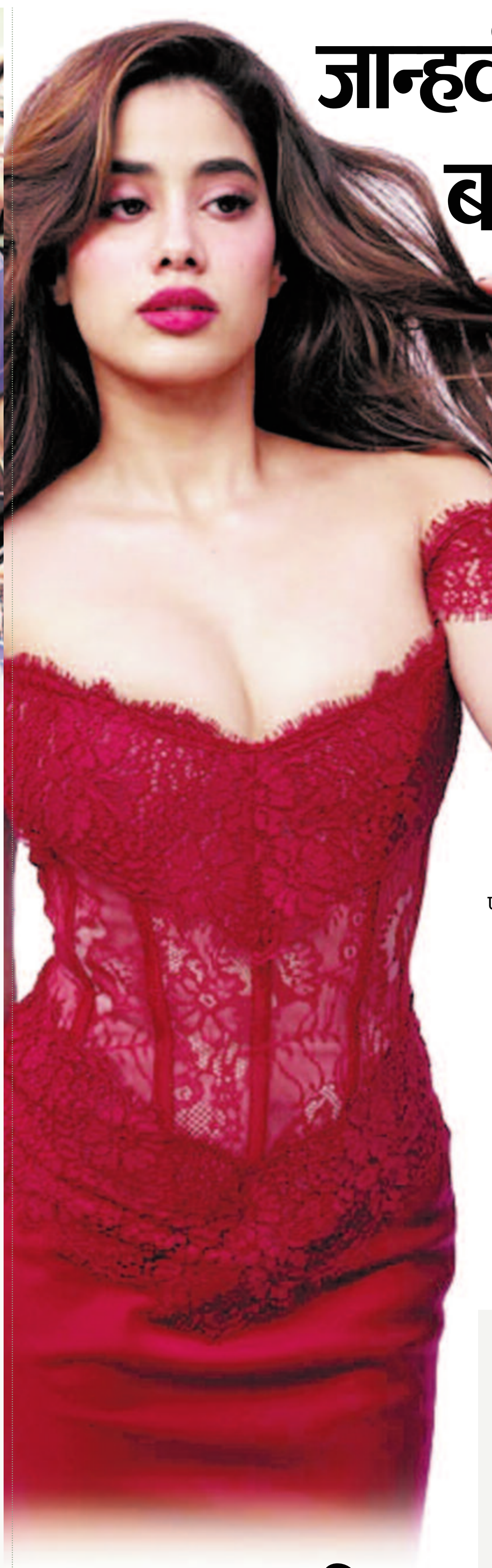

जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की खुलकर बातचीत

जान्हवी कपूर हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म में नजर आई थी। इनमें उनके साथ वरुण धवन, रोहित शरफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आए थे। राज शमानी को दिए इंटर्व्यू में जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की, और बताया कि उन्हें बॉयफ्रेंड के साथ कितना सुरक्षित और अपनापन महसूस होता है।

कौन हैं जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड?

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वे अक्सर पार्टी, फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ नजर आते हैं। हाल ही में राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर चर्चा की।

उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं जान्हवी ने शिखर के बारे में बात करते हुए कहा, 'प्यार की वजह से मैं उनके साथ खुद का सबसे सच्चा वर्जन बन पाती हूं। मुझे एक ऐसा सुरक्षित एहसास मिला है, जहां मैं अपने दिल की बात सुन सकती हूं और उस पर भरोसा कर सकती हूं। उनकी मौजूदगी हमेशा मुझे यही एहसास देती है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं। यह एक ऐसी जगह है जहां मैं बिना किसी झिझक के खुद रह सकती हूं। उनके साथ मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है।'

शिखर पहाड़िया के बारे में

शिखर पहाड़िया, पूर्व गृह मंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। उनकी मां स्मृति शिंदे एक एक्ट्रेस हैं। उनके बड़े भाई वीर पहाड़िया ने हाल ही में फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार, निम्रत कौर और सारा अली खान भी नजर आए।

जाह्नवी कपूर का अगला प्रोजेक्ट

वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही लक्ष्य और टाइगर श्रोफ के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की अगली एक्शन फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू हो चुकी है, जिसे राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं।

पृथ्वीराज ने पूरी की 'वाराणसी' की शूटिंग

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग का एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया है। अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की आगामी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग पूरी होने की खुशखबरी दी है। शूटिंग खत्म होने के साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज के लिए एक साल की उलटी गिनती भी शुरू कर दी है। पृथ्वीराज ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सेट से एक चीट मील की तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, 'बहुत मेहनत वाले शेड्यूल का आखिरकार अंत हो गया। चीट मील का पूरा मजा लिया।' इसके साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म के निर्माता केएल नारायण को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट भी बताई। पृथ्वीराज ने लिखा, '7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।' फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक तेलुगु एडवेंचर ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एसएस राजामौली ने किया है। फिल्म का बजट 1300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में महेश बाबू रुद्र और भगवान राम के दोहरे रोल में दिखेंगे। प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे।

परिणीति चोपड़ा की नई पारी शुरू, 'मॉम टॉक्स' शो की होस्ट बनीं

परिणीति चोपड़ा ने अपने करियर में एक नया और खास चैप्टर जोड़ते हुए टॉक शो होस्ट के रूप में शुरुआत कर दी है। उनके इस नए सफर पर पति और सांसद राघव चड्ढा ने भी सोशल मीडिया पर इमोशनल नोट शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। परिणीति ने हाल ही में अपने टॉक शो 'मॉम टॉक्स' का टीजर जारी किया है। यह शो मातृत्व, प्रेग्नेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े उन पहलुओं पर आधारित है, जिन पर अक्सर खुलकर बात नहीं की जाती। खास बात यह है कि यह परिणीति का पहला टॉक शो है, जिसमें वह होस्ट की भूमिका में नजर आएंगी। पिछले साल मां बनीं परिणीति इस प्लेटफॉर्म के जरिए अपने अनुभवों के साथ-साथ अन्य लोगों की कहानियां भी सामने लाना चाहती हैं। उनका मानना है कि मातृत्व से जुड़े कई पहलू आज भी समाज में झिझक के साथ देखे जाते हैं। राघव चड्ढा ने उनका हौसला बढ़ाते हुए लिखा, 'बहुत गर्व है। बधाई हो। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं। यह शो मातृत्व, प्रेग्रेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित होगा

साउथ एक्टर विष्णु विशाल ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

एक्टर-प्रोड्यूसर विष्णु विशाल ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इनमें से कई फिल्में सुपरहिट रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया से कुछ समय के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया है। उन्होंने अपने फैंस को भरोसा दिलाया है कि वे जल्द ही अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स से जुड़ी नई जानकारियों के साथ वापस लौटेंगे।

विष्णु विशाल ने लिया सोशल मीडिया से ब्रेक

एक्टर ने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने वाली जानकारी देते हुए लिखा 'सोशल मीडिया से एक छोटा सा ब्रेक ले रहा हूं। जल्द ही फिल्मों से जुड़ी नई जानकारियों के साथ वापस आऊंगा। एक्टर 'वेनिला कबाड़ी कुझु', 'कुल्नारी कूट्टम', और 'रतसासन' के लिए जाने जाते हैं।

तीसरी बार इस निर्देशक के साथ कर रहे काम

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब रामकुमार के निर्देशन में बन रही उनकी अगली फिल्म 'इरंडु वानम' को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता बढ़ रही है। 'मुंडासुपत्ती' और 'रतसासन' की सफलता के बाद, यह जोड़ी तीसरी बार एक-साथ काम कर रही है।

पूरी हुई अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

पिछले साल जून में, विष्णु विशाल ने इस बात की पुष्टि की थी कि फिल्म 'इरंडु वानम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया था कि शूटिंग 150 दिनों में पूरी हुई थी। सत्य ज्योति फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में मामिता बैजू मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म का पहला लुक पोस्टर, जो पहले ही जारी किया जा चुका है, काफी दिलचस्प है। इसमें दोनों मुख्य कलाकार बादलों पर एक-दूसरे की विपरीत दिशा में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।

विष्णु का वर्कफ्रंट

पिछली बार फिल्म 'आर्यन' में नजर आए विष्णु विशाल के पास अभी 'गट्टा कुश्ती' का सीक्वल भी पाइपलाइन में है, जिसका निर्देशन चेल्ला अय्यावु कर रहे हैं। वहीं, उनकी लंबे समय से अटकी हुई फिल्म 'मोहनदास' अभी तक रिलीज नहीं हो पाई है।

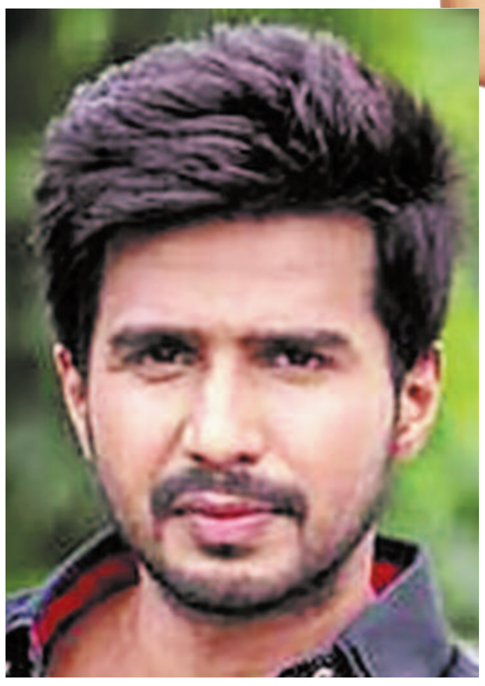

रणवीर सिंह कर सकते हैं चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्मः आदित्य धर के साथ फिर बन सकती है जोड़ी

धुरंधर फ्रैंचाइजी की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य धर रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया, आदित्य धर इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा, एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। एक सूत्र का कहना है कि द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था। अब उनकी सक्सेस और इंडस्ट्री में बढ़ते भरोसे के चलते इस प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करने की संभावना बनी हुई है।

चंद्रगुप्त मौर्य पर आधारित फिल्म पर चर्चा

एक अन्य सूत्र के मुताबिक, आदित्य धर चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल पर आधारित ऐतिहासिक फिल्म बनाने में भी दिलचस्पी रखते हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर उनकी रणवीर सिंह के साथ पिछले साल से बातचीत चल रही है। धुरंधर की सफलता के बाद दोनों फिर से इस पर चर्चा कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह विषय अभी तक ज्यादा एक्सप्लोर नहीं हुआ है और इसमें ड्रामा, एक्शन और पॉलिटिक्स जैसे कई मजबूत एलिमेंट हैं। अगर फिल्म अश्वत्थामा नहीं बनती, तो यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक स्पोर्ट्स ड्रामा भी शुरुआती स्टेज में है, जो बड़े लेवल पर बनाया जा सकता है। हालांकि इसकी जानकारी अभी साफ नहीं है।

कहा जा रहा है कि डायरेक्टर के पास कई प्रोजेक्ट्स के विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वे एक ब्रेक के बाद ही अगले प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ेंगे। डायरेक्टर ने पिछले तीन साल रणवीर सिंह के साथ 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी पर काम करते हुए बिताए हैं। इसलिए, अब वे कुछ समय का ब्रेक लेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक बात पक्की है कि आदित्य धर की अगली फिल्म और बड़े कैनवास पर बनने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य धर एक बार फिर रणवीर के साथ काम करने के इच्छुक हैं। इस बार वे मौर्य साम्राज्य के संस्थापक पर आधारित एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म पर काम करेंगे। आदित्य धर पिछले साल से ही रणवीर के साथ बातचीत कर रहे हैं।

क्यों रुका 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' पर काम

बात करें 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' की तो यह आधित्य धर के उन पैशन प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसे कथित तौर पर बजट संबंधी दिक्कतों के चलते कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। हालांकि, 'धुरंधर' से अच्छी-खासी कमाई के बाद इस फिल्म पर फिर से काम शुरू होने की संभावना बन गई है। लेकिन, अगर इसे हरी झंडी नहीं मिलती है, तो कहा जा रहा है कि यह ऐतिहासिक ड्रामा ही आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट है। इसके अलावा, ऐसी भी चर्चा है कि आदित्य धर एक स्पोर्ट्स ड्रामा पर भी काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता, सहयोग को और बढ़ाने पर बनी सहमति

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों ने अपने देशों के बीच सहयोग और आदान-प्रदान को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों विदेश मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की, दोनों देशों के सरकारी मीडिया आउटलेट्स ने शुक्रवार को यह जानकारी दी चीन के विदेश मंत्री वांग यी सात साल में पहली बार उत्तर कोरिया की यात्रा पर गुरुवार को प्योंगयांग के लिए रवाना हुए। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि वांग और उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चो सोन हुई ने अपनी मुलाकात में मौजूदा अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वे मुद्दे क्या थे।

आव्रजन बोर्ड ने खारिज की फलस्तीनी एक्टिविस्ट महमूद खलील की अपील, निर्वासन की ओर बड़ा कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक आव्रजन अपील बोर्ड ने महमूद खलील की निर्वासन मामले को खारिज करने की नवीनतम याचिका को अस्वीकार कर दिया है। यह एक ऐसा फैसला है जिसकी काफी हद तक उम्मीद थी और जो कोलंबिया विश्वविद्यालय के पूर्व स्नातक छात्र और फलस्तीनी कार्यकर्ता को पुनः गिरफ्तारी और संभावित निष्कासन के एक कदम और करीब ले आता। खलील के वकीलों के अनुसार, आव्रजन अपील बोर्ड ने गुरुवार को निष्कासन का अंतिम आदेश जारी किया। बोर्ड के फैसले सार्वजनिक नहीं हैं और अमेरिकी न्याय विभाग से इस संबंध में की गई पूछताछ का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।

कैलिफोर्निया : बेदखली का नोटिस देते समय शेरिफ के एक डिप्टी की हत्या

सैकरामेंटो, एजेंसी। बेदखली का नोटिस तामील कर रहे पुलिस अधिकारी की एक व्यक्ति ने मध्य कैलिफोर्निया में गोली मारकर हत्या कर दी। मरने वाला पुलिस अधिकारी एक शेरिफ का डिप्टी था। वहीं, घंटों तक चले गतिरोध के बाद अधिकारियों ने उस शख्स को मार गिराया। तुलारे काउंटी के डिप्टी पोर्टरविले में एक घर में बेदखली का नोटिस देने गए थे, तभी एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने उन पर गोली चला दी, शेरिफ विभाग ने फेसबुक पर यह जानकारी दी। वह व्यक्ति कई घंटों तक राइफल लेकर घर के अंदर छिपा रहा। एक समय ऐसा भी आया जब उस व्यक्ति द्वारा पुलिसकर्मियों पर लगातार गोलीबारी करने पर अधिकारियों ने घर में गैस छोड़ी।

संयुक्त राष्ट्र की समिति में तीन साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से चुनी गई राजदूत प्रीति सरन

वाशिंगटन, एजेंसी। अनुभवी राजनयिक प्रीति सरन को जटिल वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के माध्यम से इस संस्था का नेतृत्व करने में उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए 2027 से शुरू होने वाले तीन साल के नए कार्यकाल के लिए प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) में फिर से चुना गया है। राजदूत सरन वर्तमान में सीईएससीआर के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जो संयुक्त राष्ट्र की वह संस्था है जो इस बात की निगरानी के लिए जिम्मेदार है कि सदस्य देश आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों को कैसे लागू करते हैं। सीईएससीआर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।

एरिजोना के छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना, दो की मौत

फीनिक्स, एजेंसी। एरिजोना के एक छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। माराना के मेयर जॉन पोस्ट ने बताया कि विमान हवाई पट्टी से बाहर चला गया और उसमें आग लग गई। शहर के प्रवक्ता विक हॅथवे ने कहा, विमान में दो लोग सवार थे, जिनकी मौत हो गई। उनकी पहचान नहीं हुई है। माराना पुलिस विभाग ने बताया कि दुर्घटना में कोई अन्य चोटिल नहीं हुआ। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना के कारण की जांच कर रहा है।

सूडान के दारफुर में शादी समारोह में ड्रोन हमला, 30 लोगों की मौत

दारफुर, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र के एक कस्बे में शादी समारोह पर हुए ड्रोन हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 30 नागरिकों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि यह हमला उत्तर दारफुर के कुतुम कस्बे में आयोजित एक विवाह समारोह को निशाना बनाकर किया गया। यह हमला सूडानी सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान ड्रोन हमलों में आई तेजी के बीच हुआ है।

नेतन्याहू की धमकी से बैकफुट पर पाकिस्तान, इजरायल विरोधी पोस्ट डिलीट कर भागे ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को इस्लामाबाद में होने वाली ऐतिहासिक शांति वार्ता से ठीक पहले एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा इजरायल के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणियों ने न केवल दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर दिया है, बल्कि इस महत्वपूर्ण वार्ता में पाकिस्तान की तटस्थ मध्यस्थ वाली छवि पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। इजरायल ने पाकिस्तान की भूमिका पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे असहनीय करार दिया है। इसके बाद रक्षा मंत्री को अपना पोस्ट डिलीट करना पड़ गया है। विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजरायल को मानवता के लिए अभिशाप और कैंसर बताते हुए लेबनान में नरसंहार करने का आरोप लगाया। हालांकि, इजरायल की फटकार के बाद उन्होंने यह पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक कूटनीतिक नुकसान हो चुका था।

नेतन्याहू ने हड़काया : इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने आसिफ के बयानों को अपमानजनक बताया। इजरायल ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान खुद को शांति प्रयासों में एक तटस्थ खिलाड़ी के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी तरफ इजरायल के खिलाफ बोल रहा है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इसे भयानक यहूदी विरोधी रक्तपात करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल उन आतंकवादियों के खिलाफ अपनी रक्षा करना जारी रखेगा जो उसके विनाश की कसम खाते हैं।

दांव पर लगी पाकिस्तान की मध्यस्थता : यह विवाद ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने के लिए मेजबानी कर रहा है। पाकिस्तान को इस युद्धविराम का श्रेय दिया जा रहा था, लेकिन इस ताजा विवाद ने उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठा दिए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी इजरायली हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान से मदद मांगी थी, जिससे पाकिस्तान की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई थी। एक तरफ कूटनीतिक विवाद है, तो दूसरी तरफ जमीन पर युद्धविराम की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। वार्ता से महज 24 घंटे पहले अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में दरारें दिखने लगी हैं। वाशिंगटन ने तेहरान पर आरोप लगाया है कि वह हॉर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही को सुगम बनाने के अपने वादे को पूरा नहीं कर रहा है। युद्धविराम के पहले 24 घंटों में इस मार्ग से केवल एक तेल टैंकर और पांच मालवाहक जहाज गुजरे, जबकि सामान्य तौर पर यहां से रोजाना 140 जहाज गुजरते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान की आलोचना करते हुए कहा कि वह समझौते का पालन करने में बहुत खराब प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा, 'यह वह समझौता नहीं है जो हमने किया था!' आपको बता दें कि इस्लामाबाद में होने वाली इस बैठक में एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होने वाला है, लेकिन इजरायल और पाकिस्तान के बीच छिड़ी इस जुबानी जंग ने माहौल को विषाक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि इजरायल के विनाश की बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। पीएम नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इजरायल को खत्म करने का आह्वान बहुत बुरा है। यह ऐसा बयान नहीं है जिसे किसी भी सरकार से बर्दाश्त किया जा सके, खासकर उस सरकार से जो शांति के लिए न्यूट्रल आर्बिटर होने का दावा करती है।' दरअसल, पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'इजरायल बुरा है और इंसानियत के लिए श्राप है। इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, लेबनान में नरसंहार हो रहा है। इजरायल बेगुनाह नागरिकों को मार रहा है, पहले गाजा, फिर ईरान और अब लेबनान, खून-खराबा लगातार जारी है।'

इजरायल के खिलाफ आग उगलते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा, 'मैं उम्मीद और प्रार्थना करता हूं कि जिन लोगों ने फिलिस्तीनी धरती पर इस कैंसर जैसे राज्य का निर्माण किया है, वे यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाएं और उन्हें नरक में जलाएं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीते दिन इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि इजरायल के हमले के बाद लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से फोन पर बातचीत की। पीएम शहबाज ने एक्स पर लिखा, 'मैंने आज शाम लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से बात की। मैंने लेबनान के खिलाफ इजरायल के लगातार हमले की कड़ी निंदा की और इन दुश्मनी की वजह से लेबनान में हजारों लोगों की जान जाने पर दुख जताया।

नाइजीरिया में सैन्य ठिकाने पर आतंकी हमला, ब्रिगेडियर जनरल समेत कई सैनिकों की मौत

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर क्षेत्र में गुरुवार तड़के हुए एक आतंकी हमले में नाइजीरियाई सेना के ब्रिगेडियर जनरल सहित कई सैनिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों के सेना के ठिकाने पर हमला किया। नाइजीरियाई सेना ने कहा है कि हमले को सेना ने विफल कर दिया, लेकिन इस दौरान कई सैनिक मारे गए हैं। नाइजीरिया ने अभी तक मृतकों का सही आंकड़ा जारी नहीं किया है। सेना के प्रवक्ता माइकल ओनोजा ने एक बयान में कहा कि हमला बोर्नो राज्य के बेनिशेख इलाके में हुआ। उन्होंने हमलावरों को आतंकवादी बताया। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर में इस्लामी उग्रवादी संगठनों के लिए सेना द्वारा आतंकी शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। स्थानीय प्रशासन के अध्यक्ष जन्ना लावन अजीमी ने सोशल मीडिया पर घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि 'एक साहसी और समर्पित अधिकारी, 29 टास्क फोर्स ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल ओ. ओ. ब्राइमा सहित अन्य वीर जवानों की शहादत अत्यंत पीड़ादायक है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना के प्रवक्ता ओनोजा ने पुष्टि की कि ब्रिगेडियर जनरल ओसेनी ब्राइमाह इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। अफ्रीका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश नाइजीरिया लंबे समय से गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है, विशेषकर उत्तरी क्षेत्र में, जहां एक दशक से अधिक समय से उग्रवाद और अपहरण की घटनाएं जारी हैं। देश में सक्रिय प्रमुख इस्लामी उग्रवादी संगठनों में बोको हराम और उससे अलग हुआ गुट 'इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस' शामिल हैं, जो इस्लामिक स्टेट से संबद्ध है। इसके अलावा, नाइजर सीमा से सटे उत्तर-पश्चिमी इलाकों में आईएस से जुड़ा लाकुरावा समूह भी सक्रिय है।

हाल के समय में यह संकट और गहराया है, जिसमें साहेल क्षेत्र के अन्य उग्रवादी संगठन भी शामिल हो गए हैं। इनमें 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' भी शामिल है, जिसने पिछले वर्ष नाइजीरिया में अपना पहला हमला किया था। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका ने नाइजीरिया की सेना की मदद के लिए 200 सैनिकों और ड्रोन तैनात किए। हालांकि, अमेरिकी सेना ने स्पष्ट किया कि उसके सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे और न ही किसी अभियान का नेतृत्व करेंगे, जबकि पूरी कमान नाइजीरियाई सेना के पास ही रहेगी।

संयुक्त राष्ट्र में आर्थिक-सामाजिक परिषद के अहम निकायों में भारत हुआ निर्वाचित

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक 'आर्थिक और सामाजिक परिषद' (ईसीओएसओसी) के विभिन्न सहायक निकायों में भारत को चुना गया है। संयुक्त राष्ट्र में देश के स्थायी मिशन ने बुधवार को बताया कि भारत को ईसीओएसओसी के जिन निकायों में 2027 से 2030 की अवधि के लिए चुना गया है उनमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास आयोग, गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति (सीपीसी) शामिल हैं। भारतीय राजदूत प्रीति सरन को फिर से आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की समिति (सीईएससीआर, 2027-2030) के लिए चुना गया। इन पर वैश्विक मामलों की जिम्मेदारी होगी। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की समिति ईसीओएसओसी की एक स्थायी समिति है। इसके मुख्य कार्यों में विभिन्न एनजीओ द्वारा प्रस्तुत सलाहकार दर्जे के लिए आवेदनों और पुनर्वर्गीकरण के अनुरोधों पर विचार करना शामिल है। सीपीसी योजना, कार्यक्रम निर्माण और समन्वय के लिए ईसीओएसओसी तथा महासभा की प्रमुख सहायक निकाय है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, यह संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों की समीक्षा करती है और संयुक्त राष्ट्र की प्रणालियों के अंतर्गत समन्वय कार्यों के निष्पादन में ईसीओएसओसी की सहायता करती है।

नासा का ऐतिहासिक आर्टेमिस-2 मिशन बड़ी उपलब्धि के बाद पृथ्वी पर लौटने के करीब

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की है। शुक्रवार को नासा ने बताया कि उसका आर्टेमिस-2 मिशन 1 अप्रैल को सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ था और अब अपनी ऐतिहासिक यात्रा के अंतिम चरण में पहुंच गया है। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के चारों ओर घूम चुका है और अब पृथ्वी पर लौट रहा है। इसकी समुद्र में लैंडिंग (स्प्लैशडाउन) 10 अप्रैल को रात करीब 8:07 बजे (ईटी) प्रशांत महासागर में होने की उम्मीद है। नासा ने अपने संदेश में कहा कि वे अंतरिक्ष यात्रियों का फिर से पृथ्वी पर स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। यह मिशन पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि यह पांच दशकों से भी ज़्यादा समय के बाद, पृथ्वी की निचली कक्षा से परे गहरे अंतरिक्ष की खोज में मानवता की वापसी का प्रतीक है। नासा के अनुसार, इस मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों ने अब तक की सबसे लंबी दूरी तय की है, जो भविष्य में चंद्रमा पर जाने वाले अभियानों के लिए रास्ता तैयार करेगा। मिशन के दौरान पहले, चार सदस्यों वाले दल ने पृथ्वी से 248,655 मील की यात्रा करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस दल में रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल रहे। अपनी यात्रा के सबसे दूर के बिंदु पर वे लगभग 252,756 मील तक पहुंचे। यह उपलब्धि पहले अपोलो-13 मिशन के रिकॉर्ड से भी आगे निकल गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह 10 दिन का मिशन स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की गहरे अंतरिक्ष में क्षमता को परखने के लिए बनाया गया है। इसमें चंद्रमा के पास से गुजरना भी शामिल था, जो भविष्य के मिशनों के लिए बहुत जरूरी कदम है। नासा की अधिकारी डॉ. लोरी ग्लेज ने कहा कि यह सफलता दिखाती है कि एजेंसी लगातार नई सीमाओं को पार करने और अंतरिक्ष में नई खोज करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओरियन अंतरिक्ष यान से जेरेमी हैनसन ने कहा कि यह उपलब्धि पुराने अंतरिक्ष यात्रियों की विरासत को सम्मान देती है और साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए दौर की शुरुआत भी करती है। आर्टेमिस-2 मिशन को नासा के उस बड़े लक्ष्य की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें चंद्रमा पर लंबे समय तक इंसानों की मौजूदगी स्थापित करना शामिल है।

ताइवान की विपक्षी नेता से मिले शी जिनपिंग, ट्रंप के चीन दौरे से पहले बढ़ी कूटनीतिक हलचल

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान संबंधों के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को बीजिंग में ताइवान की विपक्षी नेता चेंग ली-वुन से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अगले महीने डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा प्रस्तावित है।

एक दशक के बाद केएमटी ने चीन का दौरा किया : चेंग ली-वुन, ताइवान की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुओमिनतांग (केएमटी) की पहली अध्यक्ष हैं, जिन्होंने एक दशक में पहली बार पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन का दौरा किया है। उनका यह दौरा एक सप्ताह का है और इसे दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और वन चाइना नीति के तहत उसके पुनर्एकीकरण पर जोर देता रहा है। वहीं ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) चीन के इस रुख का कड़ा विरोध करती है और ताइवान की अलग पहचान बनाए रखने की पक्षधर है। इसके विपरीत केएमटी चीन के साथ करीबी संबंधों की वकालत करती रही है, जिससे यह मुलाकात और भी अहम हो जाती है। बीजिंग रवाना होने से पहले चेंग ने अपने दौरे को शांति की यात्रा बताया और कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है, जहां स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों पक्षों को संवाद और सहयोग के जरिए मतभेद सुलझाने चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ताइवान को करीब 11 अरब डॉलर का बड़ा रक्षा पैकेज देने की योजना बना रहा है। इस पैकेज में एच आईएमआरएस रॉकेट सिस्टम, एंटी-टैंक मिसाइल, ड्रोन, होवित्जर और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। चीन ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया है। वहीं ताइवान की संसद में इस रक्षा बजट को लेकर गतिरोध बना हुआ है, क्योंकि विपक्षी दलों के कारण इसे मंजूरी नहीं मिल पाई है। इसी बीच हाल ही में अमेरिका का एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ताइपेई पहुंचा और संसद से रक्षा बजट पारित करने की अपील की। विशेषज्ञों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप की 14-15 मई को प्रस्तावित चीन यात्रा के दौरान ताइवान का मुद्दा प्रमुख रूप से चर्चा में रहेगा। ऐसे में शी-चेंग की यह मुलाकात न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से अहम है, बल्कि इसका असर क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति पर भी पड़ सकता है।

पाकिस्तान : मरदान खदान हादसे में नौ मजदूरों की मौत, सुरक्षा की गंभीर कमी उजागर: रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मरदान इलाके में हाल ही में एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की मौत हुई। यह घटना प्रणालीगत लापरवाही को दिखाती है। पाकिस्तान में खनन उद्योग सबसे असुरक्षित, खतरनाक और उपेक्षित क्षेत्रों में से एक है। सुरक्षा नियमों की कमी और पर्याप्त प्रक्रियाओं के न होने की वजह से मजदूर खदानों में फंस जाते हैं या खदान गिरने और विस्फोट जैसी घटनाओं में मर जाते हैं, एक रिपोर्ट में कहा गया है। प्रमुख दैनिक अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की संपादकीय में लिखा गया, 'खैबर पख्तूनख्वा के मरदान क्षेत्र ने एक और दुखद घटना देखी है, जिसमें एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की जान चली गई। खनन उद्योग में, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बावजूद, पूरी तरह से दुर्घटनाओं से बचना मुश्किल है। लेकिन सुरक्षा तकनीक के लिए पर्याप्त पैसा न होना और मौजूदा कानूनों का सही तरीके से पालन न होना, पाकिस्तान में खदान हादसों की संभावना बहुत बढ़ा देता है।'

खनन क्षेत्र को खदान सुरक्षा, निरीक्षण और नियमों को बढ़ाने वाले दो कानूनों के तहत सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। लेकिन इन कानूनों को लागू करने के बावजूद कोई असर नहीं दिखता। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने लिखा गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले खदान मजदूर अक्सर बिना प्रशिक्षण, बिना समर्थन और कम वेतन पर काम करते हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों को मजदूरों को अच्छी ट्रेनिंग, बेहतरीन उपकरण, आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच और सुरक्षा मानकों की जानकारी प्रदान करनी चाहिए। पिछले दिसंबर में कोयले की एक खदान में भूस्खलन के कारण दो मजदूरों की मौत हुई थी। यह हादसा क़्वेटा के बाहरी इलाके सोरांज में हुआ था। बलोचिस्तान के मुख्य खदान निरीक्षक रफिउल्लाह ने बताया कि मजदूर खदान में थे जब बड़ी मात्रा में मिट्टी गिर गई और उन्हें मलबे में दबा दिया गया। यह जानकारी पाकिस्तानी दैनिक 'डॉन' की रिपोर्ट में दी गई। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में बलोचिस्तान के डुकी और चामलांग क्षेत्रों में दो अलग-अलग घटनाओं में चार कोयला मजदूरों की मौत हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक अफ़ग़ानिस्तान के निवासी थे।

भारत-अमेरिका संबंध हुए मजबूत, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने एफबीआई चीफ काश पटेल से मुलाकात की

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका ने अपने रणनीतिक जुड़ाव को बढ़ाया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो के साथ एक अहम मीटिंग की। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल समेत सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ अलग-अलग बातचीत की। इस बातचीत का मुख्य मुद्दा रक्षा, आतंकवाद का विरोध और क्षेत्रीय सुरक्षा रहा। भारतीय दूतावास ने कहा कि अपने मौजूदा दौरे के दौरान मिसरी ने आज विदेश सचिव मार्को रुबियो से मुलाकात की और आगे कहा, 'हम इन जरूरी क्षेत्रों में अपने जुड़ाव को और गहरा करने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए और भी बहुत कुछ करने की उम्मीद करते हैं।' भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस बातचीत को एक प्रोडक्टिव मीटिंग बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारे द्विपक्षीय संबंध, खासकर व्यापार, जरूरी मिनरल्स, रक्षा और क्वाड पर केंद्रित थी। गोर ने कहा, 'विदेश सचिव रुबियो अगले महीने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं!' यह एक संभावित उच्च स्तरीय दौरे का संकेत देता है। मिसरी और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल की मुलाकात सुरक्षा पर केंद्रित थी। भारतीय दूतावास ने कहा, 'दोनों ने आतंकवाद, सुनियोजित अपराध और नारकोटिक्स से निपटने में भारत-अमेरिका के मजबूत सहयोग पर विचारों का अच्छा लेन-देन किया।' यह मीटिंग पारंपरिक रक्षा संबंधों के साथ-साथ कानून लागू करने और अंदरूनी सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग पर जोर देती है। मिसरी ने उपसचिव क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ भी बातचीत की। दूतावास ने कहा, 'उन्होंने आपसी प्राथमिकताओं पर चर्चा की। आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी अपने विचार शेयर किए।' अमेरिकी विदेश विभाग के मुख्य डिप्टी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि लैंडौ ने मिसरी के साथ अपनी मीटिंग में 'दोनों देशों के बीच करीबी पार्टनरशिप को फिर से सुनिश्चित किया। बयान में कहा गया, 'नेताओं ने दोनों देशों के बीच करीबी साझेदारी को फिर से सुनिश्चित किया और फारस की खाड़ी के हालात और दूसरी वैश्विक और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी साझा की। क्षेत्रीय विकास, खासकर पश्चिम एशिया में, मीटिंग्स में खास तौर पर शामिल रहे, जिसमें दोनों पक्षों ने चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच विचारों का आदान-प्रदान किया। मिसरी ने राजनीतिक मामलों के अवर सचिव एलिसन हुकर से भी मुलाकात की, जहां दोनों पक्षों ने पिछले साल दिसंबर में हुए फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन्स के बाद से भारत-अमेरिका द्विपक्षीय एजेंडे का जायजा लिया। भारतीय दूतावास ने कहा कि उन्होंने 'पश्चिम एशिया में हाल के विकास के साथ-साथ आपसी फायदे के क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने विचार शेयर किए। 'इस दौरान आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर भी फोकस रहा।

आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग के साथ बातचीत में, दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। दूतावास ने कहा, 'वे पैक्स सिलिका के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने और एआई और जरूरी मिनरल्स सहित बड़े आर्थिक और तकनीकी एंगेजमेंट पर सहमत हुए।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)